भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान कोटा

INDIAN INSTITUTE OF INFORMATION TECHNOLOGY KOTA

4th

चतुर्थ दीक्षांत समारोह
शनिवार, 12 जुलाई 2025

CONVOCATION CEREMONY
Saturday, July 12, 2025

MEDIA NEWS

दैनिक भास्कर

कोटा 11-07-2025

ट्रिपल आईटी का दीक्षांत समारोह कल

कोटा। ट्रिपल आईटी का चौथा दीक्षांत समारोह 12 जुलाई को सुबह 10 बजे होगा। समारोह के मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व सम्मानित अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े होंगे। अध्यक्षता शासक बोर्ड के अध्यक्ष ले. जनरल (सेवानिवृत्त) एके भट्ट करेंगे। कन्वीनर प्रो. केके शर्मा ने बताया कि आयोजन रानपुर स्थित परिसर में होगा। समारोह की तैयारियां हो चुकी हैं। समारोह में 185 स्टूडेंट्स को बीटेक व चार स्टूडेंट्स को एमटेक की उपाधि दी जाएगी।

▪ **कलेक्टर ने एयरपोर्ट व मार्ग की तैयारियां देखीं:** उप राष्ट्रपति व राज्यपाल की यात्रा के मद्देनजर गुरुवार को कलेक्टर पीयूष समारिया ने एयरपोर्ट पर बैठक कर सुरक्षा, प्रोटोकॉल, आवागमन और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में एसपी डॉ. अमृता दुहन, नागरिक उड्डयन विभाग समेत अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी रहे। कलेक्टर ने वीवीआईपी मूवमेंट को व्यवस्थित, सुरक्षित और सुचारू बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपीं।

दैनिक नवज्योति
Kota City - 11 Jul 2025 - Page 2

NAVAJYOTI
दैनिक नवज्योति

सुरक्षा और प्रोटोकॉल व्यवस्था के निर्देश

उप राष्ट्रपति व राज्यपाल कल कोटा आएंगे, कलक्टर ने देखी व्यवस्थाएं

नवज्योति/ कोटा।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एवं डॉ. सुदेश धनखड़ तथा राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का शनिवार को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान कोटा के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने के लिए कोटा आगमन प्रस्तावित है। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति समारोह की अध्यक्षता करेंगे, जबकि राज्यपाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

उप राष्ट्रपति एवं राज्यपाल की प्रस्तावित यात्रा को ध्यान में रखते हुए गुरु वार को कलक्टर पीयूष समारिया ने कोटा एयरपोर्ट पर एक अहम बैठक कर सुरक्षा, प्रोटोकॉल, आवागमन और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में पुलिस अधीक्षक कोटा शहर डॉ. अमृता दुहन, नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारीगण, कोटा विकास प्राधिकरण प्रशासन, सिविल एयरपोर्ट प्रबंधन, नगर निगम, जिला प्रशासन एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कलक्टर समारिया ने एयरपोर्ट परिसर में एक्सेस कंट्रोल, सुरक्षा मानकों एवं सिविल एविएशन से जुड़े निर्देशों की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आगमन के दौरान वीवीआईपी मूवमेंट को व्यवस्थित, सुरक्षित और सुचारू बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपीं। उपराष्ट्रपति एवं राज्यपाल की सुरक्षा के दृष्टिकोण से रूट का भी निरीक्षण किया गया, जिसमें सफाई, यातायात नियंत्रण, पार्किंग प्रबंधन, बैरिकेडिंग तथा रूट पर पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती जैसी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

कलक्टर समारिया ने दीक्षांत समारोह स्थल भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान परिसर का भी निरीक्षण कर संस्थान प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए कि परिसर में प्रोटोकॉल के अनुरूप व्यवस्था तय की जाए। उन्होंने पुलिस प्रशासन और संस्थान प्रबंधन को संयुक्त रूप से जिम्मेदारी निभाने और समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी स्तर पर कोई चूक ना हो। उन्होंने सभी विभागों को अलर्ट मोड में रहते हुए समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री नागर कल करेंगे रास्तों के दुरुस्तीकरण की समीक्षा

नवज्योति/ कोटा।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर शनिवार को दोपहर 2 बजे न्यू कलक्ट्रेट सभागार में रास्तों के दुरुस्तीकरण की समीक्षा बैठक लेंगे। इस दौरान रास्तों के दुरुस्तीकरण की अग्रिम रूपरेखा की तैयारी की भी समीक्षा की जाएगी। बैठक में जिला परिषद, खंड विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, सरपंच, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, उपखंड अधिकारी, सार्वजनिक निर्माण विभाग, पीएचईडी, सीएडी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

Kota Bureau 11-07-2025

ट्रिपल आईटी कोटा का दीक्षांत समारोह 12 को, उपराष्ट्रपति और राज्यपाल होंगे शामिल

189 स्टूडेंट्स को दी जाएगी उपाधि

कोटा ब्यूरो न्यूज

कोटा 10 जुलाई। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कोटा का चौथा दीक्षांत समारोह 12 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है. यह समारोह रानपुर स्थित ट्रिपल आईटी कैंपस में सुबह 10 बजे शुरू होगा। इसमें मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ होंगे. दीक्षांत उद्बोधन राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे देंगे, जबकि अध्यक्षता ट्रिपल आईटी कोटा के गर्वनिंग बोर्ड के अध्यक्ष रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट करेंगे।

उपराष्ट्रपति धनखड़ के दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं. उनके मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम को देखते हुए प्रशासन ने प्रोटोकॉल के तहत अधिकारियों को जिम्मेदारियां बांट दी हैं. एयरपोर्ट से रानपुर स्थित ट्रिपल आईटी तक आने-जाने के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और कार्यक्रम स्थल की जांच-पड़ताल भी पुलिस द्वारा की जा रही है। दूसरी तरफ, दौरे के एक दिन पहले पुलिस और प्रशासन ऑन-टाइम रिहर्सल भी करेंगे। जगदीप धनखड़ 12 जुलाई को सुबह 9:40 बजे कोटा एयरपोर्ट पर लैंड करेंगे. इसके बाद वे सड़क मार्ग से रानपुर जाएंगे. कॉन्वोकेशन खत्म होने के बाद वे 11:00 बजे एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां से जयपुर के लिए रवाना हो जाएंगे, जबकि राज्यपाल बागडे 12 जुलाई को सुबह 8:30 बजे कोटा एयरपोर्ट पर लैंड करेंगे और उपराष्ट्रपति धनखड़ को एयरपोर्ट पर ही रिसीव करेंगे. कार्यक्रम की समाप्ति के बाद वे सड़क मार्ग से झालावाड़ जाएंगे, जहां से नागपुर के लिए उड़ान भरेंगे। झालावाड़ के पुलिस उप अधीक्षक हर्षराज सिंह खरेड़ा का कहना है कि सड़क मार्ग से कोलाना हवाई पट्टी पर राज्यपाल बागडे आएंगे, जहां से वे हवाई मार्ग से आगे के लिए रवाना होंगे। अंकुर और ध्रुव को मिलेगा गोल्ड मेडल: ट्रिपल आईटी कोटा के डायरेक्टर प्रोफेसर एनपी पाढ़ी ने बताया कि इस कार्यक्रम में 189 स्टूडेंट्स को उपाधि और दो को गोल्ड मेडल दिया जाएगा. दीक्षांत समारोह में ट्रिपल आईटी के 2020 बैच के 2024 में पासआउट स्टूडेंट्स को डिग्री और पदक प्रदान किए जाएंगे बीटेक के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग से अंकुर अग्रवाल और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग से ध्रुव गुप्ता को गोल्ड मेडल दिया जाएगा। बीटेक के 185 और एमटेक के 4 स्टूडेंट्स कॉन्वोकेशन में यूजी कोर्स के 185 स्टूडेंट्स को बीटेक की उपाधि दी जाएगी. ये इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग ब्रांच के छात्र हैं. वहीं, चार स्टूडेंट्स को एमटेक की डिग्री दी जाएगी. ये सभी कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट से हैं, जिन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस में स्पेशलाइजेशन किया है

पत्रिका

जिला प्रशासन ने शुरू की तैयारियां

ट्रिपल आईटी कोटा का दीक्षांत समारोह कल, उपराष्ट्रपति व राज्यपाल आएंगे

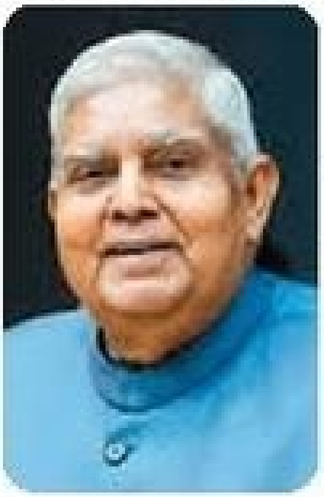

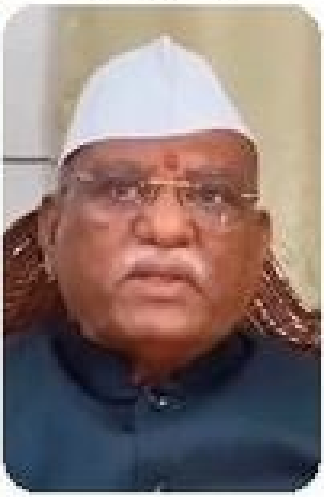

कोटा @पत्रिका. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कोटा (ट्रिपल आईटी) का चौथा दीक्षांत समारोह 12 जुलाई को रानपुर स्थित कैंपस में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। निदेशक प्रो. एनपी पाढ़ी ने बताया कि मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ होंगे। दीक्षांत उद्‌बोधन राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े देंगे। अध्यक्षता ट्रिपल आईटी कोटा के गर्वनिंग बोर्ड के अध्यक्ष रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट करेंगे। उपराष्ट्रपति धनखड़ के दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। धनखड़ 12 जुलाई सुबह 9.40 बजे कोटा एयरपोर्ट पर उतरेंगे। इसके बाद वे सड़क मार्ग से रानपुर जाएंगे। समारोह खत्म होने के बाद वे 11 बजे एयरपोर्ट पहुंचेंगे, वहां से जयपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। राज्यपाल बागडे इसी दिन सुबह 8.30 बजे कोटा एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। वे उपराष्ट्रपति धनखड़ को रिसीव करेंगे। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद राज्यपाल सड़क मार्ग से झालावाड़ जाएंगे।

11/07/2025 | Kota | Page : 3
Source : https://epaper.patrika.com/

पत्रिका

सुरक्षा और प्रोटोकॉल व्यवस्था के निर्देश

उपराष्ट्रपति व राज्यपाल की प्रस्तावित यात्रा को लेकर कलक्टर ने ली बैठक

एयरपोर्ट परिसर व अन्य रूट को लेकर निरीक्षण करते कलक्टर व एसपी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोटा. उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एवं उनकी पत्नी डॉ सुदेश धनखड़ तथा राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का शनिवार को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान कोटा के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने के लिए कोटा आगमन प्रस्तावित है। उप राष्ट्रपति एवं राज्यपाल की प्रस्तावित यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए गुरुवार को कलक्टर पीयूष समारिया ने कोटा एयरपोर्ट पर एक अहम बैठक कर सुरक्षा, प्रोटोकॉल, आवागमन और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में पुलिस अधीक्षक कोटा शहर डॉ. अमृता दुहन, नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारी, कोटा विकास प्राधिकरण प्रशासन, सिविल एयरपोर्ट प्रबंधन, नगर निगम, जिला प्रशासन एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलक्टर समारिया ने एयरपोर्ट परिसर में एक्सेस कंट्रोल, सुरक्षा मानकों एवं सिविल एविएशन से जुड़े निर्देशों की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आगमन के दौरान वीवीआईपी मूवमेंट को व्यवस्थित, सुरक्षित और सुचारू बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपीं। उपराष्ट्रपति एवं राज्यपाल की सुरक्षा के दृष्टिकोण से रूट का भी निरीक्षण किया गया। जिसमें सफाई, यातायात नियंत्रण, पार्किंग प्रबंधन, बैरिकेडिंग तथा रूट पर पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती जैसी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

सभी विभागों को अलर्ट रहने के निर्देश

कलक्टर समारिया ने दीक्षांत समारोह स्थल भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान परिसर का भी निरीक्षण कर संस्थान प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए कि परिसर में प्रोटोकॉल के अनुरूप व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिस प्रशासन और संस्थान प्रबंधन को संयुक्त रूप से जिम्मेदारी निभाने और समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी स्तर पर कोई चूक ना हो। उन्होंने सभी विभागों को अलर्ट मोड में रहते हुए समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

189 उपाधि और दो गोल्ड मेडल देंगे

कोटा @ पत्रिका. ट्रिपल आईटी कोटा का दीक्षांत समारोह 12 जुलाई को मनाया जाएगा। ट्रिपल आईटी कोटा के कॉर्डिनेटर प्रो. केके शर्मा ने बताया कि समारोह में ट्रिपल आईटी के 2020 बैच के 2024 में पासआउट स्टूडेंट्स को डिग्री और पदक प्रदान किए जाएंगे। बीटेक के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग से अंकुर अग्रवाल और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग से ध्रुव गुप्ता को गोल्ड मेडल दिया जाएगा। समारोह 189 स्टूडेंट्स को उपाधि प्रदान की जाएगी। इनमें यूजी कोर्स के 185 स्टूडेंट्स को बीटेक की उपाधि दी जाएगी। ये इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग ब्रांच के छात्र हैं। चार स्टूडेंट्स को एमटेक की डिग्री दी जाएगी। ये सभी कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट से हैं, जिन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस में स्पेशलाइजेशन किया है। कोटा में ट्रिपल आईटी कोटा का यह दूसरा दीक्षांत समारोह है।

Jan Nayak Patrika 12 July 2025

आईआईआईटी का चतुर्थ दीक्षांत समारोह आज

उपराष्ट्रपति व राज्यपाल करेंगे समारोह में शिरकत

जननायक संवाददाता

कोटा। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान कोटा (आईआईआईटी) कोटा चतुर्थ दीक्षांत समारोह शनिवार को दोपहर 12 बजे संस्थान के ही ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। समारोह में मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, विशिष्ट अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे होंगे व अध्यक्षता ले.जनरल एके भट्ट करेंगे।

निदेशक प्रो. एनपी पाढ़ी ने बताया कि संस्थान की स्थापना वर्ष 2013 में हुई थी। यह संस्थान शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, राजस्थान सरकार तथा प्रतिष्ठित औद्योगिक भागीदारों के बीच सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत

दीक्षांत समारोह की जानकारी देते निदेशक प्रो.पाढ़ी।

संचालित है। उन्होंने कहा कि क्वालिटी के साथ विस्तार हमारा मकसद है।

संस्थान अगस्त 2023 में अपने स्थाई परिसर में स्थानांतरित हुआ जो 100 एकड़ में फैला हुआ है। वर्ष 2025 का यह दीक्षांत समारोह संस्थान का चौथा तथा स्थाई परिसर में दूसरा दीक्षांत समारोह है। आईआईआईटी कोटा में वर्तमान में कुल 986 विद्यार्थी हैं, जिनमें 959 स्नातक,13 स्नातकोत्तर,14 पीएचडी शोधार्थी है।

189 डिग्रियां, 2 स्वर्ण पदक

कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग 123 बीटेक डिग्री, कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 62 बीटेक डिग्री, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ 4 एमटेक डिग्री तथा अंकुर अग्रवाल और ध्रुव गुप्ता स्वर्ण पदक से सम्मानित होंगे। जिनमें बीटेक में 179 छात्र व 6 छात्राएं व एमटेक में 2 छात्र व 2 छात्राएं शामिल है। संस्थान की ओर से इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग 2025-26 सत्र से सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी में विशेषज्ञता वाले एक नए एमटेक कार्यक्रम की शुरुआत भी कर रहा है।

उत्कृष्ट प्लेसमेंट प्रदर्शन

2024 की प्लेसमेंट प्रक्रिया में 75 प्रतिशत से अधिक पंजीकृत छात्रों को प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियों से नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हुए। सर्वाधिक 65 लाख आकाश तुरेहा टैंगएप से, 53.6 लाख अशप्रीत कौर गूगल से और अन्य छात्रों का भी औसत 13.09 लाख रहा। 2025 बैच के रियाशी गुप्ता को माइक्रोसोफ्ट इण्डिया से 53 लाख का और श्रेयांश जैन को मोविनसैंक से 40 लाख का पीपीओ प्रस्ताव मिला है।

दीक्षांत समारोह में मंच पर विद्यार्थियों को किस प्रकार जाना है। कहां ठहरना है व किन बातों का ध्यान रखना है की तैयारियां देर शाम तक चल रही थी।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल हरिभाऊ बागड करेंगे शिरकत

ट्रिपल आईटी का दीक्षांत समारोह आज

दीक्षांत समारोह में 189 स्टूडेंटों को दी जाएंगी उपाधियां

संदेश न्यूज। कोटा. ट्रिपल आईटी का कॉन्वोकेशन शनिवार को आयोजित किया जाएगा। ट्रिपल आईटी के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर एनके पाढ़ी ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि ट्रिपल आईटी के चौथे दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और ट्रिपल आईटी कोटा गर्वनिंग बोर्ड के अध्यक्ष रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट शिरकत करेंगे। दीक्षांत समारोह में 189 छात्रों को उपाधि दी जाएगी। जिनमें बीटेक के कंप्यूटर साइंस प्रोग्राम के 123 और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन के 62 कैंडिडेट हैं, जबकि एमटेक कंप्यूटर साइंस व स्पेशलाइजेशन एआई और डाटा साइंस के 4 कैंडिडेट को भी उपाधि दी जाएगी। प्रो. पाढ़ी ने बताया कि गोल्ड मेडल पाने वाले कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बीटेक ग्रेजुएट अंकुर अग्रवाल को 42 लाख का पैकेज कॉइनबेस कंपनी में मिला है। दूसरे गोल्ड मेडलिस्ट इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन के ग्रेजुएट ध्रुव गुप्ता एंटरप्रेन्योर बनेंगे। उपाधि लेने वाले छात्र-छात्राओं की बात करते हुए प्रोफेसर पाढ़ी ने कहा कि बीटेक में 179 छात्र और महज 6 छात्राएं हैं। जबकि एमटेक में दो छात्र और दो छात्राएं हैं। प्रो. पाढ़ी ने कहा कि ट्रिपल आईटी कोटा अगस्त 2023 में शिफ्ट हुआ था, इसके बाद लगातार कोर्सेज बढ़ रहे हैं, पिछले साल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा साइंस में बीटेक का कोर्स शुरू किया गया था, जिसमें बीटेक की 60 सीटें बढ़ी थीं, इस बार एमटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में शुरू किया गया है, जिसमें स्पेशलाइजेशन सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी में होगा, इसमें 27 सीटें हैं।

गोल्ड मेडलिस्ट से ज्यादा पैकेज दूसरे स्टूडेंट को

प्रो.पाढ़ी के अनुसार, ट्रिपल आईटी के 2024 पासआउट बैच के 75 फीसदी से अधिक पंजीकृत छात्रों को प्लेसमेंट के प्रस्ताव मिल गए हैं, जिनमें 65 लाख सीटीसी पर राहुल आकाश तुरेहा व 53.6 लाख पर अशप्रीत कौर को प्रस्ताव मिला है। औसत पैकेज 13.09 लाख सीटीसी का रहा है। 2025 के बीच में इंटर्नशिप के लिए गई रियाशी गुप्ता को 53 लाख और श्रेयांश जैन को 40 लाख का प्री-प्लेसमेंट ऑफर मिल गया है। ट्रिपल आईटी 10 रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है, जिनमें इसरो, आरआईएसएल, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, रिसर्च लैबोरेटरी, आईआईटी हैदराबाद और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय सहित अन्य शामिल हैं।

दैनिक आपका साक्षी

सांध्य

वर्ष- 29 अंक- 83 | कोटा, शनिवार 12 जुलाई 2025 | पृष्ठ - 8 मूल्य - 1 रूपये | डाक पंजीयनः KOTA/328/2024-26 | आर.एन.आई. नं. 65013/96

उपराष्ट्रपति और राज्यपाल ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

कोचिंग देश के लिए खतरनाक, शिक्षा नीति के खिलाफ

जगदीप धनखड़ ने एक पेड़ पिता के नाम लगाया

आपका साक्षी । कोटा

ट्रिपल आईटी कोटा का चौथा दीक्षांत समारोह शनिवार को रानपुर स्थित कैंपस में आयोजित हुआ। इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। समारोह में उपाधि लेने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नई शिक्षा नीति की बात की। उन्होंने कहा कि यह देश को आगे ले जाने का काम करेगी, लेकिन कोचिंग संस्थान नई शिक्षा नीति को फॉलो नहीं कर रहे है। कोचिंग कल्चर देश के लिए खतरनाक बन रहे हैं। यह सभी नई शिक्षा नीति के खिलाफ है। कोचिंग सेंटर पोचिंग सेंटर बन गए। उन्होंने कहा कि नौकरी करने की जगह नौकरी देने वाला बनने के लिए काम करें।

युवा ही भारत की संपदा

जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत आगे बढ़ रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स यहां पर आ रहे हैं। यह तेल मिनरल या अन्य संपदा की वजह से नहीं है। यहां की संपदा यूथ है और इन युवाओं की वजह से ही यह आगे बढ़ रहा है। जहां भारत की 65 फीसदी की आबादी 35 साल से कम उम्र की है, जबकि चीन की औसत उम्र 39, यूएएस की 37 और जापान की 48 है। भारत की औसत उम्र ही 29 साल हो रही है, इसीलिए हमें कमिटमेंट करना होगा।

अंकुर और वैभव को मिला गोल्ड मेडल

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बीटेक कंप्यूटर साइंस में टॉप करने वाले अंकुर अग्रवाल और इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन के टॉपर ध्रुव गुप्ता को गोल्ड मेडल से नवाजा है। कार्यक्रम में 189 कैंडिडेट्स को उपाधि दी गई है, जिसमें साल 2020 बैच के 2024 में पास आउट बीटेक प्रोग्राम के 185 विद्यार्थियों को डिग्री अवार्ड की गई है। कंप्यूटर साइंस के 123 और इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन के 62 कैंडिडेट्स हैं।

सेमीकंडक्टर में एमटेक कोर्स

डायरेक्टर प्रो. एनपी पाढ़ी ने संस्थान की एकेडमिक प्रोग्रेस की जानकारी दी. इसमें बताया कि लगभग सभी पास आउट कैंडिडेट का प्लेसमेंट हो गया है। इसमें 65 लाख तक का पैकेज मिला है। यहां आधुनिक इंजीनियरिंग की एआई व डेटा साइंस में कोर्स शुरू हुआ। अब पीएम नरेंद्र मोदी देश को सेमीकंडक्टर के मामले में आगे बढ़ता हुआ देखना चाहते हैं।

एक पेड़ मां और पिता के नाम लगाया

समारोह में आने के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक पेड़ मां और पिता के नाम लगाया है। इस दौरान उनके साथ राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा और कल्पना देवी भी मौजूद रहे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने इस दौरान कैंपस का निरीक्षण भी किया।

उपराष्ट्रपति का एयरपोर्ट पर स्वागत

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सुबह 11:25 पर कोटा एयरपोर्ट पहुंचे। उनके साथ राज्यपाल बागड़े भी थे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा और कल्पना देवी ने एयरपोर्ट पर स्वागत किया। प्रोटोकॉल से उनका कारगेड जगपुरा रानपुर होता हुआ ट्रिपल आईटी कैम्पस पहुंचा। रास्ते में जगह-जगह पूरी सिक्योरिटी रखी गई। समारोह में दीक्षांत अतिथि के रूप में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और अध्यक्षता ट्रिपल आईटी कोटा की गवर्निंग बोर्ड के अध्यक्ष रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट ने की।

रिसर्च में काम करेंगे तो देश आगे बढ़ेगाः राज्यपाल

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि पेटेंट पर केंद्र सरकार खर्च करती है। स्टूडेंट्स रिसर्च में काम करें, जिससे देश को अच्छा फायदा होगा। ज्ञान का उपयोग समाज व देश के हित में करें। टीचर्स ने ज्ञान दिया, वह मार्गदर्शन देगा। जीवन में पाने के लिए सीखने की इच्छा रखना जरूरी है। शिक्षा का अर्थ निरंतर सीखना है। एक पड़ाव पार किया है। पीएम मोदी बोलते हैं, नौकरी मत करो, नौकरी देने का काम करें। इसके लिए बौद्धिक व अन्य क्षमता बढ़ानी होगी।

दैनिक भास्कर

कोटा 12-07-2025

ट्रिपल आईटी कोटा का दीक्षांत समारोह आज, 185 बीटेक और चार एमटेक स्टूडेंट्स को मिलेंगी डिग्रियां

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे होंगे शामिल

एजुकेशन रिपोर्टर | कोटा

ट्रिपल आईटी का दीक्षांत समारोह शनिवार को रानपुर स्थित कैंपस के सभागार में दोपहर 12 बजे से होगा। मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और विशिष्ट अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे होंगे। अध्यक्षता ट्रिपल आईटी संचालन मंडल अध्यक्ष सेवानिवृत्त ले. जनरल एके भट्ट करेंगे। समारोह में कुल 189 डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के अंकुर अग्रवाल और इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के ध्रुव गुप्ता को गोल्ड मैडल प्रदान किया जाएगा। शुक्रवार को समारोह की रिहर्सल की गई।

डायरेक्टर प्रो. एनपी पाढ़ी ने बताया कि 2013 में स्थापित ट्रिपल आईटी पीपीपी मोड में संचालित है। अगस्त 2023 से अपने स्थायी परिसर में संचालित यह संस्थान 100 एकड़ में फैला है। यहां कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में 123 बीटेक, इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 62 बीटेक डिग्री और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ सीएसई में 4 स्टूडेंट्स को एमटेक डिग्री प्रदान की जाएगी। अभी 959 यूजी, 13 स्नातकोत्तर ओर 14 शोधार्थी हैं। करीब 1 करोड़ 14 लाख रुपए के 10 रिसर्च प्रोजेक्ट संचालित हैं।

ट्रिपल आईटी कोटा के डायरेक्टर प्रो. एनपी पाढ़ी जानकारी देते हुए।

दीक्षांत समारोह: एक नजर में

- 123: कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में बीटेक डिग्री
- 62: इलेक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग बीटेक डिग्री
- 4: एमटेक आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा इंजीनियरिंग

स्टूडेंट्स की स्थिति

- 959: स्नातक
- 13 : स्नातकोत्तर
- 14 : पीएचडी

गुगल में 53.6 लाख पैकेज में हो चुका है प्लसेमेंट

प्रो. पाढ़ी ने बता कि उन्होंने वर्ष 2024 के प्लेसमेंट में 75 फीसदी से अधिक स्टूडेंट्स को प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियों से जॉब के प्रस्ताव मिले हैं। यहां सीएसई में सर्वाधिक 65 लाख सीटीसी आकाश तुरेहा को और ईसीई में अशप्रीत कौर को गुगल में 53.6 लाख का पैकेज मिला है। औसत पैकेज 13.09 लाख रहा है। वर्ष 2025 के बैच में रियाशी गुप्ता ईसीई ब्रांच में माइक्रोसॉफ्ट इंडिया से 53 लाख और सीएसई में श्रेयांश जैन को 40 लाख रुपए का प्री-प्लेसमेंट ऑफर मिला है। यहां 90 फीसदी तक प्लेसमेंट की योजना है। पांच पेटेंट स्वीकृत हो चुके हैं।

समारोह में 189 डिग्रियां और दो स्वर्ण पदक होंगे वितरित

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े होंगे अतिथि

ट्रिपल आईटी का चौथा दीक्षांत समारोह आज

नवज्योति/कोटा

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी) कोटा का चौथा दीक्षांत समारोह शनिवार को रानपुरा स्थित संस्थान परिसर में होगा। समारोह में 189 डिग्रियां और दो स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। समारोह के मुख्य अतिथि उप राष्ट्रपति और विशिष्ट अतिथि रा'यपाल होंगे। समारोह से एक दिन पहले संस्थान में रिहर्सल की गई और तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

ट्रिपल आईटी कोटा के निदेशक प्रो. एन.पी. पाढ़ी ने बताया कि समारोह दोपहर 12 बजे से शुरु होगा। समारोह के मुख्य अतिथि उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ होंगे।विशिष्ट अतिथि रा'यपाल हरिभाऊ बागड़े होंगे। समारोह की अध्यक्षता ट्रिपल आईटी कोटा संचालक मंडल के अध्यक्ष सेवानिवृत्त लेफ्टीनेंट जनरल ए.के. भट्ट करेंगे। उन्होंने बताया कि करीब 100 एकड़ में फैले इस संस्थान की स्थापना वर्ष 2013 में हुई थी। संस्थान अगस्त 2023 में अपने स्थायी परिसर में शिफ्ट हुआ था।

संस्थान का यह चौथा दीक्षांत समारोह है। लेकिन संस्थान के इस स्थायी भवन में यह दूसरा समारोह है। समारोह के एक दिन पहले उसकी रिहर्सल की गई। जिसमें डिग्री धारियों व स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों को व्यवस्थाओं संबंधी जानकारी दी गई। वहीं जिला व पुलिस प्रशासन भी दिनभर तैयारियों में जुटा रहा।

189 डिग्रियां की जाएंगी प्रदान: उन्होंने बताया कि समारोह में कुल 189 डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। जिनमें से कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग (सीएसई) में 123 बीटेक डिग्री, इलेक्ट्रोनिक्स और कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) में 62 बी टेक डिग्री व आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ सीएसई में 4 एम टेक डिग्री प्रदान की जाएगी। वहीं शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए अंकुर अग्रवाल (सीएसई) व ध्रुव गुप्ता (ईसीई) को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा।

संस्थान में 986 विद्यार्थी अध्ययनरत

निदेशक पाढ़ी ने बताया कि ट्रिपल आईटी कोटा में वर्तमान में 986 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इनमें 959 स्नातक के,13 स्नातकोत्तर के व 14 पीएचडी शोधार्थी हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान का प्लेसमेंट प्रदर्शन भी उत्कृष्ट रहा है। 2024 की प्लेसमेंट प्रक्रिया में 75 फीसदी से अधिक पंजीकृत छात्रों को प्रमुख मल्टीनेशनल कम्पनियों में नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हुए। इनमें सर्वाधिक 65 लाख का आकाश तुरेहा को व 53.6 लाख का अमरप्रीत कौर को गूगल से प्राप्त हुआ। वहीं 2025 बैच में रियाशी गुप्ता को 53 लाख व श्रेयांश जैन को 40 लाख का रहा।

इस सत्र से नए एम.टेक कार्यक्रम की शुरुआत: निदेशक पाढ़ी ने बताया कि संस्थान की प्रगति के एक और कदम के रूप में इलेक्ट्रोनिक्स और कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सेमी कंडक्टर टैक्नोलोजी में विशेषज्ञता वाले एक नए एम.टेक कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। उन्होंने बताया कि ट्रिपल आईटी कोटा से अब तक 150 से अधिक शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और सम्मेलनों में प्रकाशित किए गए हैं। साथ ही 5 पेटेंट भी स्वीकृत हुए हैं।

Kota Buearu 12-07-2025

कोटा दीक्षांत समारोह : गोल्ड मेडलिस्ट में एक का पैकेज 42 लाख तो दूसरा बनेगा एंटरप्रेन्योर

ट्रिपल आईटी कोटा का चौथा दीक्षांत समारोह आज, उपराष्ट्रपति धनखड़ और राज्यपाल बागड़े भाग लेंगे

कोटा ब्यूरो न्यूज

कोटा 11 जुलाई। ट्रिपल आईटी का कॉन्वोकेशन 12 जुलाई को आयोजित हो रहा है। इस संबंध में आज ट्रिपल आईटी के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर एनके पाढ़ी ने मीडिया से बातचीत की। ट्रिपल आईटी के चौथे दीक्षांत समारोह की बात करते हुए उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और ट्रिपल आईटी कोटा गर्वनिंग बोर्ड के अध्यक्ष रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट रहेंगे। दीक्षांत समारोह में 189 छात्रों को उपाधि दी जाएगी, जिनमें बीटेक के कंप्यूटर

साइंस प्रोग्राम के 123 और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन के 62 कैंडिडेट हैं, जबकि एमटेक कंप्यूटर साइंस व स्पेशलाइजेशन एआई और डाटा साइंस के चार कैंडिडेट को भी उपाधि दी जाएगी। प्रो. पाढ़ी ने बताया कि गोल्ड मेडल पाने वाले कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बीटेक ग्रेजुएट अंकुर अग्रवाल को 42 लाख का पैकेज कॉइनबेस कंपनी में मिला है. दूसरे गोल्ड मेडलिस्ट इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन के ग्रेजुएट ध्रुव गुप्ता एंटरप्रेन्योर बनेंगे। उपाधि लेने वाले छात्र-छात्राओं की बात करते हुए प्रोफेसर पाढ़ी ने कहा कि बीटेक में 179 छात्र और महज 6 छात्राएं हैं, जबकि एमटेक में दो छात्र और दो छात्राएं हैं।

पत्रिका

#ConvocationCeremony: समारोह में 189 स्टूडेंट्स को उपाधि और दो स्टूडेंट्स को दिए जाएंगे गोल्ड मेडल

ट्रिपल आईटी का दीक्षांत समारोह आज, उपराष्ट्रपति व राज्यपाल करेंगे शिरकत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोटा. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कोटा (ट्रिपल आईटी) का चौथा दीक्षांत समारोह 12 जुलाई को रानपुर स्थित ट्रिपल आईटी कैंपस में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। ट्रिपल आईटी कोटा के निदेशक प्रो. एनपी पाढ़ी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ होंगे। दीक्षांत उद्बोधन राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे देंगे। अध्यक्षता ट्रिपल आईटी कोटा के गवर्निंग बोर्ड के अध्यक्ष रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट करेंगे। उपराष्ट्रपति 12 जुलाई को सुबह 9.40 बजे कोटा एयरपोर्ट पर उतरेंगे। इसके बाद वे सड़क मार्ग से रानपुर जाएंगे। समारोह खत्म होने के बाद वे 11 बजे एयरपोर्ट पहुंचेंगे, वहां से जयपुर के लिए रवाना हो जाएंगे, जबकि राज्यपाल बागडे इसी दिन सुबह 8.30 बजे कोटा एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। वे उपराष्ट्रपति धनखड़ को रिसीव करेंगे।

समारोह में बीटेक के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग से अंकुर अग्रवाल और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग से ध्रुव गुप्ता को गोल्ड मेडल दिया जाएगा, वहीं, कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में 123 बीटेक डिग्री, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 62 बीटेक डिग्री, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस में स्पेशलाइजेशन के साथ सीएसई में 4 एमटेक डिग्री दी जाएगी।

100 एकड़ में कैम्पस

साल 2013 में ही एमएनआईटी जयपुर कैंपस में ट्रिपल आईटी कोटा शुरू हो गई थी। ऐसे में 10 साल तक ट्रिपल आईटी वहां चली। इसका खुद का भवन नहीं था। इन 10 सालों में करीब 7 बैच जयपुर से पास आउट हो चुके हैं। कैम्पस 100 एकड़ में फैला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑनलाइन इसका उद्घाटन किया था। अगस्त 2023 में ट्रिपल आईटी कोटा में ही नए सत्र की क्लासेज शुरू हुई। निदेशक ने बताया कि ट्रिपल आईटी कोटा में वर्तमान में 986 स्टूडेंट्स हैं।

ट्रिपल आईटी कोटा के दीक्षांत समारोह की जानकारी देते निदेशक।

ट्रिपल आईटी कोटा में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग में सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी में विशेषज्ञता वाला एक नया एमटेक कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। संस्थान निदेशक के अनुसार, यह कोर्स सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बढ़ते तकनीकी और औद्योगिक अवसरों को ध्यान में रखते हुए शुरू किया जा रहा है। सत्र 2024 की प्लेसमेंट रिपोर्ट के अनुसार 75 प्रतिशत से अधिक पंजीकृत विद्यार्थियों को प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियों से नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यहां के स्टूडेंट को अच्छा पैकेज भी मिल रहा है। सीएसई विभाग के आकाश तुरेहा को 65 लाख का सालाना पैकेज मिला है। सत्र 2025 बैच के लिए भी उल्लेखनीय प्री-प्लेसमेंट ऑफर प्राप्त हुए हैं, जिनमें रियाशी गुप्ता को 53 लाख और श्रेयांश जैन को 40 लाख का पीपीओ मिला है। संस्थान में करीब 1.4 करोड़ की कुल धनराशि वाली 10 अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं। हाल ही में दो नई प्रमुख परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। पहली इंटरफेरेंस और चैपरोन्स की उपस्थिति में प्रायन डायनामिक मॉडल का अध्ययन और दूसरी सॉफ्टवेयर डिफाइंड नेटवर्किंग के माध्यम से ग्रिड संचालन की सुरक्षा, पुनरावृत्ति एवं विश्वसनीयता में वृद्धि से जुड़ी है।

12/07/2025 | Kota | Page : 4
Source : https://epaper.patrika.com/

दैनिक भास्कर कोटा 13-07-2025

दीक्षांत समारोह • उपराष्ट्रपति व राज्यपाल के सान्निध्य में रानपुर परिसर में हुआ आयोजन

ट्रिपल आईटी के 185 स्टूडेंट्स को बीटेक व 4 को एमटेक डिग्री मिली, कुल 189 में केवल 8 छात्राएं

ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में आए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व अतिथियों ने पौधरोपण भी किया। समारोह में स्टूडेंट्स के साथ ही कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि व अधिकारी भी शामिल हुए।

एजुकेशन रिपोर्टर | कोटा

ट्रिपल आईटी के रानपुर स्थित परिसर में शनिवार को हुए दूसरे दीक्षांत समारोह में यूजी (बीटेक) के 185 और पीजी (एमटेक) के 4 (कुल 189) स्टूडेंट्स को डिग्रियों का वितरण किया गया। यूजी में कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग (सीएसई) में 123, इलेक्ट्रोनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) में 62, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) और डेटा इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता की यूजी डिग्री दी गई। शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए दो स्टूडेंट्स अंकुर अग्रवाल (सीएसई) और ध्रुव गुप्ता (ईसीई) को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और विशिष्ट अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े थे। अध्यक्षता ट्रिपल आईटी कोटा की बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एके भट्ट ने की। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने तकनीकी शिक्षा में सांस्कृतिक मूल्यों पर जोर देते हुए कोचिंग सिस्टम में बदलाव की बात कही तो राज्यपाल बागड़े ने कहा कि शिक्षा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम है। डायरेक्टर प्रो. एनपी पाढ़ी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर, संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एके भट्ट, दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, लाडपुरा विधायक कल्पनादेवी, कलेक्टर पीयूष समारिया, सिटी एसपी डॉ. अमृता दुहन व आईएएस प्रशिक्षु आराधना चौहान भी मौजूद थीं।

यूजी की 6, पीजी की 2 छात्राएं : उपाधि पाने वाले 185 यूजी स्टूडेंट्स में केवल 6 छात्राएं हैं। पीजी डिग्री लेने वालों में 4 में से 2 छात्राएं हैं।

गोल्ड मेडलिस्ट से भास्कर इंटरव्यू

अब समय स्मार्ट वर्क का लेकिन एआई हावी नहीं हो : समारोह में परिवार सहित शामिल हुए सीएस के गोल्ड मैडलिस्ट अंकुर अग्रवाल मूलतः अलीगढ़ (उत्तरप्रदेश) के रहने वाले हैं। पिता व्यवसायी और मां गृहिणी हैं। अंकुर अमेरिका की एक कंपनी में जॉब करते हैं। उन्होंने भास्कर से विशेष बातचीत में कहा, मेरा मानना है कि लैबोरियस वर्क की जगह अब समय स्मार्ट वर्क का है। यानी 10 घंटे का काम तीन घंटे में करना है। अपने काम में एआई को हावी नहीं होने देना है।

आने वाले समय की टेक्नोलॉजी पर ध्यान देना होगा: ईसीई में गोल्ड मैडल प्राप्त करने वाले ध्रुव गुप्ता मूलतः उत्तरप्रदेश के के मुराबाद के निवासी हैं। पिता व्यवसायी और मां गृहिणी हैं। ध्रुव भी जॉब में हैं। उन्होंने कहा कि आप जिस संस्थान में हैं, उससे आपको सम्मान मिलता है तो गर्व महसूस होता है। आने वाले समय एआई का है। इसलिए तकनीकी से जुड़े स्टूडेंट्स इसके लिए पहले से तैयार रहें।

उपराष्ट्रपति और राज्यपाल का स्वागत किया

कोटा एयरपोर्ट पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े का स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया। इस मौके पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा, विधायक कल्पनादेवी सहित अधिकारी भी थे।

पेटेंट पर केंद्र सरकार राशि खर्च कर रही है, तकनीकी छात्र रिसर्च में काम करें: राज्यपाल

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल बागड़े ने कहा कि स्वयं के दीपक बनो। स्वयं भी प्रकाशित हों और दूसरों को भी प्रकाशित करो। ज्ञान का प्रयोग देश और समाज हित में करें। शिक्षा का मतलब रटना नहीं, निरंतर सीखना है। पेटेंट पर केंद्र सरकार राशि खर्च करती है। छात्र रिसर्च में काम करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बोलते हैं, नौकरी मत करो, नौकरी देने की क्षमता बढ़ाओ। इसके लिए हमें बौद्धिक क्षमता बढ़ानी होगी।

उपराष्ट्रपति और राज्यपाल ने एक-एक पौधा मां-पिता के नाम रोपा : ट्रिपल आईटी परिसर में उपराष्ट्रपति धनखड़ और राज्यपाल बागड़े ने यहां गमलों में चीनाडोल पौधे रोपे। दूसरी ओर, भारतीय डाक कर्मचारी संघ एवं भारतीय मजदूर संघ की ओर से प्रदेशाध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल ने मॉय स्टांप योजना के तहत उपराष्ट्रपति को व्यक्तिगत डाक टिकट की शीट भेंट की। जेकेलोन अस्पताल की अधीक्षक डॉ. निर्मला शर्मा ने भी उपराष्ट्रपति से मुलाकात की।

▪ उपराष्ट्रपति धनखड़ की स्टूडेंट्स को सीख

▪ **गुरुकुल** : हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? संविधान की 22 दृश्य-प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हमें कौशल आधारित कोचिंग की आवश्यकता है। स्कूल-कॉलेज में स्टूडेंट्स की संख्या बढ़े, ऐसी पॉलिसी होनी चाहिए।

▪ **प्रेरणा** : आपकी मार्कशीट और अंक आपको परिभाषित नहीं करेंगे। प्रतिस्पर्धी दुनिया में प्रवेश करते समय, आपका ज्ञान और सोचने की क्षमता ही आपको परिभाषित करेगी।

▪ **टेक्नोलॉजी** : हमारे कोडर, डेटा वैज्ञानिक, ब्लॉकचेन इनोवेटर और एआई इंजीनियर आज के राष्ट्र निर्माता हैं। हमें तकनीक का निर्यातक बनना चाहिए।

▪ **रट्टा संस्कृति** : इसमें न तो कोई आत्मसात है, न कोई समझ। यह कल्चर रचनात्मक विचारकों की बजाय जॉम्बी तैयार कर रहा है।

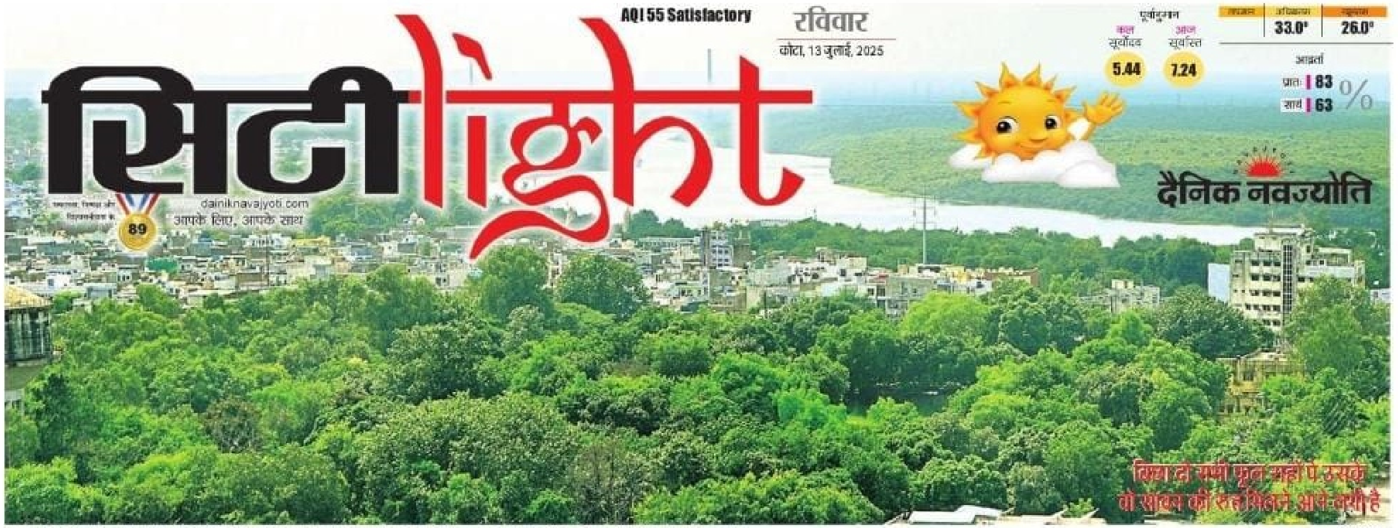

सावन की शुरुआत के साथ ही शहर हरियाली से आच्छादित सा नजर आने लगा है। हरियाली से लकदक शहर के बीच से निकलती चंबल का मनमोहक दृश्य। फोटो वीएस

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (कोटा ट्रिपल आईआईटी) का चौथा दीक्षांत समारोह

शिक्षा को फैक्ट्री की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति खतरनाक, कोचिंग युवाओं का भविष्य खराब कर रही : उप-राष्ट्रपति

नवज्योति/कोटा

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (कोटा ट्रिपल आईआईटी) के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कोचिंग की वर्तमान स्थितियों को लेकर चिंतित नजर आए। उन्होंने समारोह में कहा कि कोचिंग युवा भविष्य को खराब कर रही है। यह बहुत ही चिंताजनक स्थिति है। इससे निपटना आवश्यक हो गया है। उप राष्ट्रपति ने शिक्षा को फैक्ट्री की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा, हमें इस असेंबली-लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए अत्यंत खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के विपरीत हैं। यह विकास और प्रगति में बाधाएं उत्पन्न करता है। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए। मैं नागरिक समाज और जनप्रतिनिधियों से आग्रह करता हूं कि इस समस्या की गंभीरता को समझें और शिक्षा में पुनर्संयम लाने के लिए एकजुट हों। हमें कौशल आधारित कोचिंग की आवश्यकता है। आज सीटें तो सीमित हैं लेकिन कोचिंग सेंटर हर जगह फैले हुए हैं। ये वर्षों तक छात्रों के मन को एक ही ढर्रे में ढालते हैं, जिससे उनकी सोचने की शक्ति अवरुद्ध हो जाती है। इससे कई मनोवैज्ञानिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने छात्रों को अंकों से ऊपर सोचने की प्रेरणा देते कहा कि मार्कशीट और अंक आपको परिभाषित नहीं करेंगे। प्रतिस्पर्धी दुनिया में प्रवेश करते समय, आपका ज्ञान और सोचने की क्षमता ही आपको परिभाषित करेगी।

समारोह में 189 डिग्रियां प्रदान की, दो छात्र गोल्ड मेडल से सम्मानित

हमें तकनीक का निर्यातक बनना चाहिए: उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें डिजिटल नियति का निर्माता बनना होगा । हमारे कोड, डेटा वैज्ञानिक, ब्लॉकचेन इनोवेटर और एआई इंजीनियर आज के राष्ट्र निर्माता हैं। भारत, जो कभी वैश्विक अग्रणी था, अब केवल उधार की तकनीक का उपयोगकर्ता बनकर नहीं रह सकता। हमें तकनीक का निर्यातक बनना चाहिए।

नौकरी देने वाले बनें : राज्यपाल

समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने युवाओं से आह्वान किया कि वे नौकरी की तलाश करने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजक बनें। उन्होंने कहा कि आज भारत सरकार युवाओं की हैंडहोल्डिंग के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समर्थन प्रदान कर रही है। यह समय अपनी बौद्धिक क्षमता के विकास का है। समारोह में कुल 189 डिग्रियां प्रदान की गईं। जिनमें से कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग (सीएसई) में 123 बीटेक डिग्री, इलेक्ट्रोनिक्स और कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) में 62 बी टेक डिग्री व आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ सीएसई में 4 एम टेक डिग्री प्रदान की गईं। वहीं शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए अंकुर अग्रवाल (सीएसई) व ध्रुव गुप्ता (ईसीई) को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

एयरपोर्ट पर उप राष्ट्रपति व राज्यपाल का स्वागत करते मंत्री दिलावर व नागर। वीएस

एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों ने किया दोनों का स्वागत

जयपुर से एक ही हैलीकॉप्टर में आए उप-राष्ट्रपति व राज्यपाल

नवज्योति/कोटा

ट्रिपल आईटी के चौथे दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े शनिवार को एक ही हैलीकॉप्टर में आए। यहां एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार उप राष्ट्रपति अपने विशेष विमान से सुबह जयपुर पहुंचे। वहां से उप राष्ट्रपति व राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एक ही हैलीकॉप्टर में सवार हुए और करीब 11.30 बजे कोटा हवाई अड्डे पर पहुंचे। यहां प्रशासनिक अधिकारियों ने उनकी अगवानी की। उसके बाद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा व लाडपुरा विधायक कल्पना देवी और कोटा दक्षिण महापौर राजीव अग्रवाल ने उप राष्ट्रपति व राज्यपाल का स्वागत किया। वहीं दो अन्य हैलीकॉप्टर में उप राष्ट्रपति का स्टाफ भी दिल्ली से आया था।

इस दौरान एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। वहां से दोनों सीधे ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में पहुंचे। वहां से दोपहर 1.30 बजे रवाना होकर वापस एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार दोपहर करीब पौने दो बजे उप राष्ट्रपति व रा`यपाल एक ही हैलीकॉप्टर में जयपुर के लिए रवाना हो गए। एयरपोर्ट व उसके आस-पास बड़ी संख्या में लोग उन्हें देखने के लिए जमा हुए थे।

इधर उप राष्ट्रपति व राज्यपाल के कोटा दौरे को देखते हुए पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी कई दिन से तैयारियों में जुटे हुए थे। शनिवार को भी उनके आने से पहले और जाने के बाद तक व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

chambalsandesh@gmail.com

पोस्टल रजि. नं. कोटा/211/2025-27

दैनिक चम्बल संदेश

कोटा की शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचानः राज्यपाल हरिभाऊ

ट्रिपलआईटी का दीक्षांत समारोहः राज्यपाल ने कहा, दीक्षांत, जीवन की नई शुरुआत

संदेश न्यूज। कोटा.

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शनिवार को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि जीवन की एक नई शुरूआत है। यह वह पड़ाव है जहां से युवा अपने ज्ञान, विचार और दृष्टिकोण से समाज और देश के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि भारत ने विश्व को ऐसे कई इंजीनियर दिए हैं जिन्होंने वैश्विक मंच पर देश का नाम रोशन किया है। कोटा को उन्होंने औद्योगिक और शैक्षिक नगरी की उपाधि देते हुए कहा कि यह शहर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

उन्होंने महात्मा बुद्ध के प्रसिद्ध वाक्य 'अप्प दीपो भवः' को उद्धृत करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को चाहिए कि वह अपने भीतर प्रकाश उत्पन्न करे और अपनी मेधा से न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व को आलोकित करें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नौकरी की तलाश करने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजक बनें। आज भारत सरकार युवाओं की हैंडहोल्डिंग के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समर्थन प्रदान कर रही है। यह समय अपनी बौद्धिक क्षमता के विकास का है।

189 विद्यार्थियों को प्रदान की डिग्रियां

समारोह में कुल 189 डिग्रियां प्रदान की गईं। जिनमें से कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग (सीएसई) में 123 बीटेक डिग्री, इलेक्ट्रोनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) में 62 बी टेक डिग्री व आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ सीएसई में 4 एम टेक डिग्री प्रदान की गईं। वहीं शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए अंकुर अग्रवाल (सीएसई) व ध्रुव गुप्ता (ईसीई) को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एके भट्ट, निदेशक प्रो. एन.पी. पाढ़ी, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, लाडपुरा विधायक कल्पना देवी, जिला कलक्टर पीयूष समारिया, पुलिस अधीक्षक शहर डॉ. अमृता दुहन, आईएएस प्रशिक्षु आराधना चौहान सहित संस्थान की फैकल्टी, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष अब तकनीक से लड़ा जाएगा-धनखड़

दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश के लिए भारतीय सिस्टम बनाकर उन्हें वैश्विक स्तर पर ले जाने की जरुरत बताते हुए कहा है कि अब देश किसी सैन्य आक्रमण से नहीं बल्कि विदेशी डिजिटल बुनियादी ढांचे पर निर्भरता से कमजोर और पराधीन होंगे और संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा। उन्होंने तकनीकी नेतृत्व को नई राष्ट्रभक्ति का आधार बताते हुए कहा हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं, एक नए राष्ट्रवाद के युग में। तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा है। हमें तकनीकी नेतृत्व में वैश्विक अगुवा बनना होगा। उन्होंने रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात-निर्भरता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा यदि हम रक्षा के क्षेत्र में बाहर से तकनीकी उपकरण प्राप्त करते हैं, तो वह देश हमें ठहराव की स्थिति में ला सकता है। डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 21वीं सदी का युद्धक्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं।

जो एप ग्रामीण भारत में काम नहीं करता, वो पर्याप्त स्मार्ट नहीं

डिजिटल क्षेत्र की चर्चा करते हुए धनखड़ ने कहा एक स्मार्ट ऐप जो ग्रामीण भारत में काम नहीं करता, वह पर्याप्त स्मार्ट नहीं है। एक एआई मॉडल जो क्षेत्रीय भाषाओं को नहीं समझता, वह अधूरा है। एक डिजिटल उपकरण जो दिव्यांगों को शामिल नहीं करता, वह अन्यायपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से स्थानीय समाधान को वैश्विक स्तर तक ले जाने का आह्वान करते हुए कहा भारत के युवाओं को टेक्नोलॉजी की दुनिया के सजग संरक्षक बनना चाहिए। हमें भारत के लिए भारतीय प्रणालियां बनानी होंगी और उन्हें वैश्विक बनाना होगा। हमें अपनी डिजिटल नियति के निमार्ता बनना होगा और अन्य देशों की नियति को भी प्रभावित करना होगा। हमारे कोडर, डेटा वैज्ञानिक, ब्लॉकचेन इनोवेटर और एआई इंजीनियर आज के राष्ट्र निर्माता हैं। हमें तकनीक का निर्यातक बनना चाहिए।

दैनिक भास्कर
कोटा 13-07-2025

ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए उपराष्ट्रपति

'कोचिंग' अब 'पोचिंग सेंटर' बन गए हैं, प्रतिभा जकड़ने वाले ब्लैक होल: धनखड़

एजुकेशन रिपोर्टर | कोटा

उपराष्ट्रपति जनदीप धनखड़ ने कहा कि एनईपी -2020 देश को आगे ले जाने का काम करेगी। कोचिंग संस्थानों को लेकर कहा कि कि कोचिंग संस्थान नई शिक्षा नीति को फॉलो नहीं कर रहे हैं। कोचिंग सेंटर अब पोचिंग सेंटर बन चुके हैं। ये सुदृढ़ सांचों में प्रतिभा को जकड़ने वाले ब्लैक होल बन गए हैं। उपराष्ट्रपति धनखड़ शनिवार को रानपुर कैंपस में हुए ट्रिपल आईटी के चौथे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि कोचिंग सेंटर अनियंत्रित रूप से फैल रहे हैं, जो हमारे युवाओं के लिए, गंभीर संकट बनते जा रहे हैं। हमें इस असेंबली-लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि अब इनको कोचिंग के इंफ्रास्ट्रक्चर को स्किल डेवलपमेंट सेंटर्स में तब्दील हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा है। 21 वीं सदी का युद्धक्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव कोड, क्लाउड और साइबर से तय होते हैं। समारोह के विशिष्ट अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े थे। संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एके. भट्ट, डायरेक्टर प्रो. एनपी पाढ़ी आदि मौजूद रहे। समारोह में बीटेक कंप्यूटर साइंस में टॉप करने वाले अंकुर अग्रवाल और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन के टॉपर ध्रुव गुप्ता को गोल्ड मैडल दिया। यहां बीटेक की 185 और चार एमटेक की डिग्रियों का वितरण किया।

कोटा. ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में ध्रुव गुप्ता को गोल्ड मैडल देते उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े।

कहा- कोटा में ओम का उच्चारण तो बनता है

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेकर कहा कि कोटा में ओम का उच्चारण तो बनता है। वे लोकसभा में दूसरी बार स्पीकर हैं। शिक्षा मंत्री की तारीफ करते हुए कहा कि मदन दिलावर ऐसे व्यक्तित्व हैं, जो अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करते हैं। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर को एरिया का हीरा बताया। विधायक कल्पना देवी, विधायक संदीप शर्मा की भी तारीफ की।

-संबंधित खबर पेज | 3 पर भी पढ़ें

जयपुर, जोधपुर, अजमेर, कोटा और उदयपुर से प्रकाशित @DailyNavajyoti DainikNavajyotiNews feedback@dainiknavajyoti.com dainiknavajyoti संस्थापक : स्व. कप्तान दुर्गाप्रसाद चौधरी

सफलता, निष्ठा और विश्वसनीयता के 89

दैनिक नवज्योति

राष्ट्रीय

Since 1936
जयपुर, रविवार
13 जुलाई, 2025

नगर संस्करण प्रभात ****** वर्ष 65 | अंक 280 RNI-6624/60 श्रावण, कृष्ण पक्ष, तृतीया, संवत 2082 पृष्ठ संख्या 12 | मूल्य 3.00

कोटा ट्रिपल आईटी का दीक्षांत समारोह युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर संकट, तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा

कोचिंग सेंटर अब बन गए पोचिंग सेंटरः धनखड़

बोलेः हम अपनी शिक्षा को इस तरह कलंकित और दूषित नहीं होने दे सकते

नवज्योति/कोटा। कोचिंग सेंटर अब पोचिंग सेंटर बन चुके हैं। ये सुदृढ़ ढांचों में प्रतिभा को जकड़ने वाले काले छिद्र बन गए हैं। कोचिंग सेंटर अनियंत्रित रूप से फैल रहे हैं, जो देश का भविष्य युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर संकट बनता जा रहा है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रवाह के विरुद्ध है। हमें इस चिंताजनक बुराई से निपटना ही होगा। हम अपनी शिक्षा को इस तरह कलंकित और दूषित नहीं होने दे सकते। यह बात शनिवार को कोटा ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कही।

हम एक नए राष्ट्रवाद के युग में प्रवेश कर रहे

धनखड़ ने कहा कि अब देश किसी सैन्य आक्रमण से नहीं, बल्कि विदेशी डिजिटल बुनियादी ढांचे पर निर्भरता से कमजोर और पराधीन होंगे। सेनाएं अब एल्गोरिदम में बदल गई हैं। संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा। उन्होंने तकनीकी नेतृत्व को नई राष्ट्रभक्ति का आधार बताते हुए कहा, हम एक नए राष्ट्रवाद के युग में प्रवेश कर रहे हैं। तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा है। तकनीकी नेतृत्व में हमें विश्व में अग्रणी बनना होगा। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का युद्धक्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव कोड, क्लाउड और साइबर से तय होते हैं।

प्रत्येक विद्यार्थी अपने भीतर प्रकाश उत्पन्न करेः बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा, भारत ने विश्व को ऐसे कई इंजीनियर दिए हैं, जिन्होंने वैश्विक मंच पर देश का नाम रोशन किया है। कोटा को उन्होंने औद्योगिक और शैक्षिक नगरी की उपाधि देते कहा कि यह शहर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने महात्मा बुद्ध के प्रसिद्ध वाक्य अप्प दीपो भव: अपना दीपक स्वयं बनो को उद्धृत करते हुए कहा, प्रत्येक विद्यार्थी को चाहिए कि वह अपने भीतर प्रकाश उत्पन्न करे और अपनी मेधा से न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व को आलोकित करें। उन्होंने भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, एम. विश्वेश्वरैया, सुंदर पिचाई, सत्य नडेला तथा वर्गीस कुरियन जैसे महान व्यक्तित्वों का उदाहरण देते बताया कि इन विभूतियों ने न केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि सामाजिक उत्थान में भी अद्वितीय योगदान दिया है।

189 स्टूडेंट्स को डिग्रियां वितरित

समारोह में 189 स्टूडेंट्स को डिग्रियां वितरित की जब कि दो छात्रों को गोल्ड मेडल दिए गए।

First India 13-07-2025

Coaching centres have turned into poaching centres: VP

They have become black holes for talent in regimented silos: Dhankhar in Kota

Bhanwar S Charan

Kota

Vice-President Jagdeep Dhankhar, Rajasthan Governor Haribhau Bagade handing over degree to a student during Convocation of IIIT Kota. Lt. Gen. (Retd.) AK Bhatt and Prof NP Padhy also seen.

Vice-President Jagdeep Dhankhar, while addressing the 4th Convocation of IIIT Kota, strongly criticized the growing influence of coaching centres, calling them "poaching centres" and "black holes for talent."

Speaking in the heart of India's coaching hub, Kota, he warned that such institutions are damaging youth potential and tarnishing education. Dhankhar emphasized that in today's world, sovereignty is threatened not by armies but by dependence on foreign digital infrastructure.

He called for a new era of nationalism rooted in technological leadership, stating that leading in technology must become the new frontier of patriotism.

Rajasthan Governor Haribhau Bagade, Lt. Gen. (Retd.) AK Bhatt, Chairperson, BoG, IIIT; Prof NP Padhy, Director and other dignitaries were present on the occasion. P7

First India 13-07-2025

4th Convocation of IIIT Kota

'Code, Cloud, Cyber': VP flags new age warfare

Bhanwar S Charan

Kota

Vice-President Jagdeep Dhankhar, addressing the 4th Convocation of IIIT Kota on Saturday, expressed serious concern over India's reliance on imported technology in critical sectors like defence, warning that foreign dependence could paralyze the nation. Emphasizing the evolving global dynamics, he said the new battleground is defined by "code, cloud, and cyber," not conventional warfare.

Vice-President Jagdeep Dhankhar attends 4th Convocation of IIIT Kota on Saturday. Also seen are Rajasthan Governor Haribhau Bagade, Lt. Gen. (Retd.) A.K. Bhatt, and Prof NP Padhy.

Dhankhar also criticized the current education model, particularly the rise of coaching centers, calling them counterproductive to the spirit of learning and the NEP. He warned against the "assembly-line" approach to education and highlighted the psychological toll on students. Calling for skill-based learning, he urged coaching institutes to transform into skill centres & stressed the need to revive India's traditional knowledge-sharing values. Rajasthan Governor Haribhau Bagde, Lt. Gen. (Retd.) A.K. Bhatt, and IIIT officials were present at the event.

India News 13-07-2025

ट्रिपल आईटी कोटा का दीक्षांत समारोह | उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने विद्यार्थियों को उपाधि और मेडल प्रदान किए

देश के लिए कोचिंग खतरनाक, यह नई शिक्षा नीति के खिलाफ : धनखड़

इंडिया न्यूज़ | कोटा

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग देश के लिए खतरनाक है। नई शिक्षा नीति की बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह देश को आगे ले जाने का काम करेगी, लेकिन कोचिंग संस्थान नई शिक्षा नीति को फॉलो नहीं कर रहे। कोचिंग कल्चर देश के लिए खतरनाक बन रहे हैं। यह सभी नई शिक्षा नीति के खिलाफ है। कोचिंग सेंटर पोचिंग सेंटर बन गए। देश में सीट्स कम हैं और कोचिंग संस्थान पूरे देश भर में खुल गए हैं। वह हमारे बच्चों के दिमाग को रोबोट बना रहे हैं। इससे साइकोलॉजिकल प्रॉब्लम भी बढ़ रही है। ट्रिपल आईटी कोटा के चौथा दीक्षांत समारोह में शनिवार को रानपुर स्थित कैंपस में आयोजित कार्यक्रम को उप राष्ट्रपति ने बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया।

उन्होंने उपाधि लेने वाले छात्रों से कहा कि नौकरी करने की जगह नौकरी देने वाला बनने के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि भारत आगे बढ़ रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स यहां पर आ रहे हैं। यह तेल मिनरल या अन्य संपदा की वजह से नहीं है। यहां की संपदा यूथ है और इन युवाओं की वजह से ही यह आगे बढ़ रहा है। जहां भारत की 65 फीसदी की आबादी 35 साल से कम उम्र की है, जबकि चीन की औसत उम्र 39, यूएस की 37 और जापान की 48 है। भारत की औसत उम्र ही 29 साल हो रही है, इसीलिए हमें कमिटमेंट करना होगा। समारोह में आने के बाद उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक पेड़ मां और पिता के नाम लगाया। इस दौरान उनके साथ राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा और कल्पना देवी भी मौजूद रहे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े बोले- रिसर्च में काम करेंगे तो देश आगे बढ़ेगा

समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि पेटेंट पर केंद्र सरकार खर्च करती है। स्टूडेंट्स रिसर्च में काम करें, जिससे देश को अच्छा फायदा होगा। ज्ञान का उपयोग समाज व देश के हित में करें। टीचर्स ने ज्ञान दिया, वह मार्गदर्शन देगा। जीवन में पाने के लिए सीखने की इच्छा रखना जरूरी है। शिक्षा का अर्थ निरंतर सीखना है। एक पड़ाव पार किया है। पीएम मोदी बोलते हैं, नौकरी मत करो, नौकरी देने का काम करें। इसके लिए बौद्धिक व अन्य क्षमता बढ़ानी होगी। डायरेक्टर प्रो. एनपी पाढ़ी ने बताया कि यहां आधुनिक इंजीनियरिंग की एआई व डेटा साइंस में कोर्स शुरू हुआ। अब पीएम नरेंद्र मोदी देश को सेमीकंडक्टर के मामले में आगे बढ़ता हुआ देखना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए ट्रिपल आईटी ने एमटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में स्पेशलाइजेशन सेमीकंडक्टर कोर्स शुरू किया है।

अंकुर व वैभव को गोल्ड मेडल

उप राष्ट्रपति धनखड़ ने बीटेक कंप्यूटर साइंस में टॉप करने वाले अंकुर अग्रवाल और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन के टॉपर ध्रुव गुप्ता को गोल्ड मेडल से नवाजा है। कार्यक्रम में 189 कैंडिडेट्स को उपाधि दी गई है, जिसमें साल 2020 बैच के 2024 में पास आउट बीटेक प्रोग्राम के 185 विद्यार्थियों को डिग्री अवार्ड की गई है। कंप्यूटर साइंस के 123 और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन के 62 कैंडिडेट्स हैं। इसके अलावा 4 विद्यार्थियों को एमटेक कंप्यूटर साइंस स्पेशलाइजेशन इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस की उपाधि भी दी गई।

Kota Bureau 13-07-2025

कोचिंग कल्चर देश के लिए खतरनाक- शिक्षा नीति के खिलाफ : धनखड़

कहा- पोचिंग सेन्टर बन गए कोचिंग सेन्टर, ट्रिपल आईटी कोटा का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

कोटा ब्यूरो न्यूज

कोटा 12 जुलाई। ट्रिपल आईटी कोटा का चौथा दीक्षांत समारोह शनिवार को रानपुर स्थित कैंपस में आयोजित हुआ. इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे. समारोह में उपाधि लेने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नई शिक्षा नीति की बात की. उन्होंने कहा कि यह देश को आगे ले जाने का काम करेगी, लेकिन कोचिंग संस्थान नई शिक्षा नीति को फॉलो नहीं कर रहे हैं. कोचिंग कल्चर देश के लिए खतरनाक बन रहे हैं. यह सभी नई शिक्षा नीति के खिलाफ है. कोचिंग सेंटर पोचिंग सेंटर बन गए. देश में सीट्स कम हैं और कोचिंग संस्थान पूरे देश भर में खुल गए हैं. वह हमारे बच्चों के दिमाग को रोबोट बना रहे हैं. इससे साइकोलॉजिकल प्रॉब्लम भी बढ़ रही है. उन्होंने कहा कि नौकरी करने की जगह नौकरी देने वाला बनने के लिए काम करें.

युवा ही भारत की संपदा :

जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत आगे बढ़ रहा है. ग्लोबल इन्वेस्टर्स यहां पर आ रहे हैं. यह तेल मिनरल या अन्य संपदा की वजह से नहीं है. यहां की संपदा यूथ है और इन युवाओं की वजह से ही यह आगे बढ़ रहा है. जहां भारत की 65 फीसदी की आबादी 35 साल से कम उम्र की है, जबकि चीन की औसत उम्र 39, यूएएस की 37 और जापान की 48 है। भारत की औसत उम्र ही 29 साल हो रही है, इसीलिए हमें कमिटमेंट करना होगा.

अंकुर और वैभव को मिला गोल्ड मेडल : उपराष्ट्रपति जगदीप

धनखड़ ने बीटेक कंप्यूटर साइंस में टॉप करने वाले अंकुर अग्रवाल और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन के टॉपर ध्रुव गुप्ता को गोल्ड मेडल से नवाजा है. कार्यक्रम में 189 कैंडिडेट्स को उपाधि दी गई है।

रिसर्च में काम करेंगे तो देश आगे बढ़ेगा:

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि पेटेंट पर केंद्र सरकार खर्च करती है. स्टूडेंट्स रिसर्च में काम करें, जिससे देश को अच्छा फायदा होगा। ज्ञान का उपयोग समाज व देश के हित में करें. टीचर्स ने ज्ञान दिया, वह मार्गदर्शन देगा. जीवन में पाने के लिए सीखने की इच्छा रखना जरूरी है।

सेमीकंडक्टर में एमटेक कोर्स:

डायरेक्टर प्रो. एनपी पाढ़ी ने संस्थान की एकेडमिक प्रोग्रेस की जानकारी दी, इसमें बताया कि लगभग सभी पास आउट कैंडिडेट का प्लेसमेंट हो गया है। इसमें 65 लाख तक का पैकेज मिला है।

एक पेड़ मां और पिता के नाम लगाया :

समारोह में आने के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक पेड़ मां और पिता के नाम लगाया है. इस दौरान उनके साथ राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा और कल्पना देवी भी मौजूद रहे। आईटी कोटा की गवर्निंग बोर्ड के अध्यक्ष रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट ने की. दोपहर 12 बजे समारोह शुरू हुआ. इसके बाद यहां से डेढ़ बजे वापस रवाना हुए।

प्रतिभाओं के लिए ब्लैक होल हैं कोचिंग सेंटर:

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कोचिंग संस्थानों को 'पोचिंग सेंटर' बताते हुए कहा कि ये टैलेंट के लिए ब्लैक होल जैसे हैं. पहले शिक्षा को दान माना जाता था, लेकिन अब इसे कलंकित और दूषित होने से रोकना होगा।

भारत में 1.17 करोड़ से अधिक पाठक (IRS 2019) PUNJAB KESARI, JAIPUR

पंजाब केसरी

जयपुर
रविवार, 13 जुलाई, 2025
तदनुसार श्रावण 3, विक्रमी सम्वत 2082
वीर सम्वत 2551
वर्ष 11, अंक 184
पृष्ठ 16+4(रविवारीय)=20
मूल्य ₹ 3.00

Sunday, 13 July 2025 www.punjabkesari.in जयपुर • अजमेर • जोधपुर • उदयपुर • जालंधर • चंडीगढ़ • लुधियाना • बठिंडा • पानीपत • हिसार • शिमला • पालमपुर • जम्मू से प्रकाशित ऑफिस : 0141-2709856, सर्कुलेशन : 8829000021

प्रतिभाओं को जकड़ने वाले ब्लैक होल बने कोचिंग सेंटर: धनखड़

- उप राष्ट्रपति ने कोटा में ट्रिपल आईटी के चौथे दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

कोटा, 12 जुलाई (ब्यूरो) : कोचिंग सेंटर अब पोचिंग सेंटर बन चुके हैं। ये प्रतिभाओं को एक सांचे में जकड़ने वाले ब्लैक होल बन गए हैं। कोचिंग सेंटर कल्चर एनईपी के खिलाफ है।

यह बहुत ज्यादा खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को फॉलो नहीं कर रहे। ये उच्च दबाव के क्षेत्र में है, जो बच्चों के विकास में रुकावट पैदा करते हैं। विशेषकर कोटा का युवा यहां के कोचिंग सेंटर की वजह से आगे की ओर देखने में असमर्थ है। ये टिप्पणी उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को रानपुर स्थित ट्रिपल आईटी के चौथे दीक्षांत समारोह में कही।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि 21वीं सदी का युद्ध क्षेत्र भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो चुकी है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव कोड क्लाउड और साइबर से तय होते हैं। धनखड़ ने प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की ओर मुखातिब होकर कहा कि उन्हें ऐसी पॉलिसी पर विचार करना चाहिए, जिससे प्रदेश के स्कूल-कॉलेज में स्टूडेंट्स की संख्या में वृद्धि हो।

इस मौके पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, लाडपुरा विधायक कल्पना देवी, संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष ले.जनरल (रिटा.) एके भट्ट, निदेशक प्रो. एनपी पाढ़ी, एसपू, डॉ. अमृता दुहन, कलेक्टर पीयूष सामरिया आदि मौजूद रहे।

कोटा : *विद्यार्थियों के साथ उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े।*

मार्कशीट और अंक नहीं करेंगे परिभाषित

उन्होंने कहा कि मार्कशीट और अंक आपको परिभाषित नहीं करेंगे। आपका ज्ञान और सोचने की क्षमता ही आपको कॉम्पटेटिव दुनिया में परिभाषित करेगी। उन्होंने कोचिंग सेंटरों द्वारा विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना करते हुए कहा कि अखबारों में विज्ञापनों और होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन छात्रों से आता है, जो कर्ज लेकर या बड़ी कठिनाई से पढ़ाई का खर्च उठाते हैं। यह धन का उपयुक्त उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन भले ही आकर्षक लगें, पर हमारी सभ्यतागत आत्मा के लिए आंखों की किरकिरी बन गए हैं।

189 स्टूडेंट्स को बांटी गई डिग्रियां

समारोह में 189 स्टूडेंट्स को डिग्रियां दी गई। अंकुर अग्रवाल को कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और ध्रुव गुप्ता को इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में गोल्ड मेडल दिया गया। इससे पहले संस्थान में उप राष्ट्रपति ने एक पेड़ मां के नाम और एक पेड़ पिता के नाम लगाया।

'शिक्षा का अंत नहीं, जीवन की नई शुरुआत है दीक्षांत'

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि जीवन की एक नई शुरुआत है। यह वह पड़ाव है, जहां से युवा ज्ञान, विचार और दृष्टिकोण से समाज और देश के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। कोटा को उन्होंने औद्योगिक और शैक्षिक नगरी की उपाधि देते हुए उन्होंने कहा कि यह शहर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को चाहिए कि वह अपने भीतर प्रकाश उत्पन्न करे और मेधा से न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व को आलोकित करें।

ट्रिपल आइटी कोटा का चौथा दीक्षांत समारोह : 189 स्टूडेंट को प्रदान की उपाधियां

तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा: उपराष्ट्रपति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोटा. भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आइटी) कोटा का चौथा दीक्षांत समारोह शनिवार को रानपुर स्थित संस्थान परिसर में भव्य रूप से आयोजित किया गया। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े ने बीटेक कंप्यूटर साइंस में टॉप करने वाले अंकुर अग्रवाल और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन के टॉपर ध्रुव गुप्ता को गोल्ड मेडल से नवाजा। कार्यक्रम में 189 कैंडिडेट्स को उपाधियां प्रदान की गई। डिग्रियां पाकर छात्र-छात्राएं खुशी से झूम उठे।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने तकनीकी नेतृत्व को नई राष्ट्रभक्ति का आधार बताते हुए कहा, हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं, एक नए राष्ट्रवाद के युग में। तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा है। हमें तकनीकी नेतृत्व में वैश्विक अगुवा बनना होगा। अध्यक्षता ट्रिपल आइटी कोटा की गवर्निंग बोर्ड के अध्यक्ष रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट ने की।

नौकरी देने वाला बनो : राज्यपाल

राज्यपाल ने कहा कि पेटेंट पर केंद्र सरकार खर्च करती हैं। स्टूडेंट्स रिसर्च के क्षेत्र में काम करें, जिससे देश को अच्छा फायदा होगा। ज्ञान का उपयोग समाज व देशहित में करें। शिक्षक ने ज्ञान दिया, मार्गदर्शन देगा। जीवन में पाने के लिए सीखने की इच्छा रखना जरूरी है। शिक्षा का अर्थ निरंतर सीखना है। आपने एक पड़ाव पार किया है। पीएम मोदी बोलते हैं, नौकरी मत करो, नौकरी देने का काम करें। इसके लिए बौद्धिक व अन्य क्षमता बढ़ानी होगी। छात्रों से कहा कि, यदि देश और दुनिया में नाम कमाना है तो खुद को लगातार सीखते हुए, अनुशासन और समर्पण से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि डिग्री प्राप्त करना महत्वपूर्ण नहीं है, आप ऐसा काम करिए जो दूसरों को भी रोजगार दे सके। उन्होंने देश के उन नामी लोगों का उदाहरण दिया, जो आज दुनिया में हजारों करोड़ों लोगों को रोजगार देने में सक्षम हैं।

उपाधियां प्रदान की

कार्यक्रम में 189 कैंडिडेट्स को उपाधियां दी गई। इसमें साल 2020 बैच के 2024 में पास आउट बीटेक प्रोग्राम के 185 विद्यार्थियों को डिग्री अवार्ड की गई। कंप्यूटर साइंस के 123 और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन के 62 कैंडिडेट्स हैं। इसके अलावा चार विद्यार्थियों को एमटेक कंप्यूटर साइंस स्पेशलाइजेशन इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस की उपाधि दी गई।

कोटा. ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में मेडल व उपाधि प्राप्त विद्यार्थी (ऊपर) व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े व अन्य।

सेमीकंडक्टर में एमटेक कोर्स शुरू किया

संस्थान निदेशक प्रो. एनपी पाढ़ी ने संस्थान की एकेडमिक प्रोग्रेस में बताया कि लगभग सभी पास आउट कैंडिडेट का प्लेसमेंट हो गया है। इसमें 65 लाख तक का पैकेज मिला है। यहां आधुनिक इंजीनियरिंग की एआइ व डेटा साइंस में कोर्स शुरू हुआ। अब पीएम नरेंद्र मोदी देश को सेमीकंडक्टर के मामले में आगे बढ़ता हुआ देखना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए ट्रिपल आइटी ने एमटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में स्पेशलाइजेशन सेमीकंडक्टर कोर्स शुरू किया है। साथ ही, कहा कि इंटर्नशिप करने गए स्टूडेंट्स प्री-रिप्लेसमेंट ऑफर 65 लाख रुपए तक का लेकर आए हैं। संस्थान से पासआउट कैंडिडेट यूपीएससी भी क्लियर कर चुके हैं।

कोटा. ट्रिपल आइटी के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में मौजूद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा व कल्पना देवी।

एक पेड़ मां और पिता के नाम लगाया

समारोह के बाद उपराष्ट्रपति धनखड़ ने एक पेड़ मां और पिता के नाम लगाया। इस दौरान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा और लाडपुरा विधायक कल्पना देवी भी मौजूद रहे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कैंपस का निरीक्षण भी किया। इससे पहले उपराष्ट्रपति सुबह 11.25 पर कोटा एयरपोर्ट पहुंचे।

ये रहे मौजूद

जिला कलक्टर पीयूष समारिया, पुलिस अधीक्षक शहर डॉ. अमृता दुहन, प्रशिक्षु आईएएस आराधना चौहान, आरटीयू के कुलपति एसके सिंह, कोटा विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार भावना शर्मा, जय मिनेश विश्वविद्यालय के चेयरमैन आरडी मीणा, कुलपति डॉ. डीपी तिवारी, शिक्षाविद् डॉ. अनुज विलियम्स समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

ये बोले गोल्डमेडलिस्ट

गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले मुरादाबाद यूपी निवासी **ध्रुव गुप्ता** ने बताया कि कभी भी अपने दोस्तों को देखकर पढ़ाई को लेकर डिसिजन नहीं लें, अपनी रुचि के अनुसार विषय को चुने। किसी भी काम के लिए हार्डवर्क के साथ स्मार्ट वर्क भी जरूरी है।

अलीगढ़ निवासी **अंकुर अग्रवाल** गोल्ड मेडलिस्ट हैं। उन्होंने बताया कि वे कोटा में कोचिंग करने के लिए आना चाहते थे। घर से दूर होने के कारण नहीं आ पाए। उनका कहना है कि अभी एआइ का जमाना है, लेकिन इसे अपने ऊपर हावी नहीं होने दें।

उपराष्ट्रपति की एयरपोर्ट पर की अगवानी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का शुक्रवार सुबह कोटा एयरपोर्ट पर पहुंचने पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, लाडपुरा विधायक कल्पना शर्मा और नगर निगम दक्षिण के महापौर राजीव अग्रवाल ने अगवानी कर स्वागत किया।

विस्तृत खबर पढ़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

https://www.instagram.com/sachbedhadakd https://www.youtube.com/@SachBedhadakD https://x.com/SachBedhadakD https://www.facebook.com/SachBedhadakD

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित

Scan to Subscribe

वर्ष: 4 I अंक: 213 जयपुर, रविवार, 13 जुलाई, 2025 I श्रावण, कृष्ण पक्ष-तृतीया, विसं 2082 पृष्ठ: 10 I मूल्य: 3.00

कोटा में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान का चौथा दीक्षांत समारोह

कोचिंग सेंटर अब 'पोचिंग सेंटर' बन गए हैं: उपराष्ट्रपति धनखड़

बेधड़क | कोटा

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कोटा स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) के चौथे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए देश में तेजी से बढ़ते कोचिंग संस्थानों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कोचिंग सेंटरों को 'पोचिंग सेंटर' करार देते हुए कहा कि ये संस्थान प्रतिभाओं को सांचे में ढालने वाले काले छिद्र बन चुके हैं और युवाओं के मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। धनखड़ ने कोचिंग सेंटरों द्वारा विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना करते हुए कहा कि यह पैसा उन छात्रों से आता है जो कर्ज या कठिनाई से पढ़ाई करते हैं। यह धन का अनुचित उपयोग है और हमारे शिक्षा तंत्र की आत्मा पर चोट है। उपराष्ट्रपति ने वर्तमान शिक्षा प्रणाली में रटंत विद्या पर आधारित संस्कृति को 'बौद्धिक जॉम्बी' तैयार करने वाला बताया और कहा कि यह रचनात्मकता को बाधित करती है। रट्टा ज्ञान नहीं, केवल स्मृति देता है।

समारोह को संबोधित करते उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़। साथ में राज्यपाल बागडे और निदेशक प्रो. एन.पी. पाढी।

आपकी मार्कशीट आपको परिभाषित नहीं करेगी

उन्होंने छात्रों को अंकों की होड़ से ऊपर उठने और सोचने की क्षमता को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। आपकी मार्कशीट आपको परिभाषित नहीं करेगी, बल्कि आपका ज्ञान और विश्लेषण क्षमता आपकी पहचान बनाएगी। तकनीकी आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आने वाले समय में युद्ध मैदान नहीं, बल्कि 'कोड, क्लाउड और साइबर' में लड़े जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे राष्ट्रवाद के युग में प्रवेश कर चुके हैं, जहां कोडर, डेटा वैज्ञानिक और एआई इंजीनियर ही नए राष्ट्र निर्माता हैं।

भाषाओं को न समझे, वह अधूरा AI मॉडल

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि अगर भारत रक्षा क्षेत्र में आयात पर निर्भर रहेगा, तो अन्य देश उसकी स्थिति को ठहराव में ला सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि भारत को तकनीक का केवल उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि निर्माता और निर्यातक बनना होगा। उपराष्ट्रपति ने कोचिंग सेंटरों से आग्रह किया कि वे अपने ढांचे को कौशल केंद्रों में परिवर्तित करें और राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप कार्य करें। हमें असेंबली लाइन जैसी शिक्षा पद्धति से बाहर आना होगा। धनखड़ ने डिजिटल समावेशन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि एक स्मार्ट एप जो ग्रामीण भारत में काम न करे, वह पर्याप्त स्मार्ट नहीं है। एक एआई मॉडल जो क्षेत्रीय भाषाओं को न समझे, वह अधूरा है। इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, संस्थान के निदेशक प्रो. एन.पी. पाढ़ी और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

दैनिक

चम्बल संदेश

संस्थापक-स्व. श्री चमनलाल आहूजा

सच के लिए, सब के लिए

कोटा की शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचानः राज्यपाल

वण कृष्ण पक्ष तृतीया वि.सं.-2082) www.chambalsandesh.com ■ वर्ष : 51 ■ अंक : 133 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : ₹ 2.00

उपराष्ट्रपति ने कोटा में दी नसीहत : कहा-कोचिंग कल्चर खतरनाक, ये राष्ट्रीय शिक्षा नीति के रास्ते में भी बाधक

कोचिंग सेंटर अब 'पोचिंग सेंटर' बन गए, इनका उपयोग 'स्किल सेंटर' के रूप में करेंः धनखड़

ट्रिपलआईटी का दीक्षांत समारोह : उपराष्ट्रपति व राज्यपाल ने विद्यार्थियों को प्रदान किए गोल्ड मैडल

संदेश न्यूज। कोटा.

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को यहां कहा कि कोचिंग सेंटर अब 'पोचिंग सेंटर'(शिकार के ठिकाने) बन गए हैं। ये प्रतिभाओं को जकड़ने वाले ब्लैकहोल हैं। हमारे युवा, हमारा भविष्य हैं, जिनके लिए अनियंत्रित रुप से फैल रहे ये कोचिंग सेंटर खतरा बनते जा रहे हैं। हमें इस चिंताजनक बुराई से निपटना ही होगा। हम अपनी शिक्षा को इस तरह कलंकित और दूषित नहीं होने दे सकते।

उप राष्ट्रपति ने कोटा में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) के चौथे दीक्षांत समारोह में यह बात कही। समारोह के मुख्य अतिथि धनखड़ ने कहा, हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? हमारे संविधान की 22 दृश्य प्रतिमान में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञानदान में विश्वास रखते आए हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों (स्किल सेंटर) में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए। मैं नागरिक समाज और जनप्रतिनिधियों से आग्रह करता हू कि इस समस्या की गंभीरता को समझें। हमें कौशल आधारित कोचिंग की आवश्यकता है।

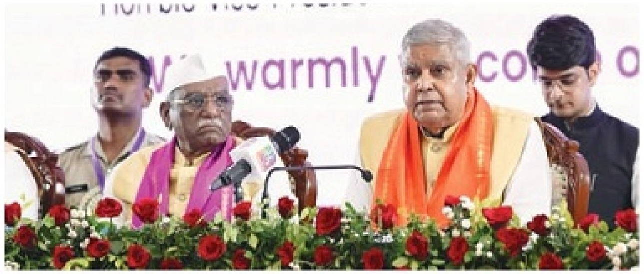

अंकों की होड़ ने सीखने की भावना को पहुंचाया नुकसान

धनखड़ ने अंकों की होड़ के दुष्परिणामों पर चेताते हुए कहा, 'पूर्णांक और मानकीकरण के प्रति जुनून ने जिज्ञासा को खत्म कर दिया है, जो कि मानव बुद्धिमत्ता का एक स्वाभाविक अंग है। इसने सीखने की भावना को नुकसान पहुंचाया। सीटें सीमित हैं, लेकिन कोचिंग सेंटर हर जगह फैले हुए हैं। वे वर्षों तक छात्रों के मन को एक ही ढर्रे में ढालते हैं, उन्हें रोबोट जैसा बनाते हैं। जिससे उनकी सोचने की शक्ति अवरुद्ध हो जाती है। इससे कई मनोवैज्ञानिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। छात्रों को अंकों से ऊपर सोचने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा, आपकी मार्कशीट और अंक आपको परिभाषित नहीं करेंगे। प्रतिस्पर्धी दुनिया में प्रवेश करते समय, आपका ज्ञान और सोचने की क्षमता ही आपको परिभाषित करेगी।

रटंत विद्या से खत्म हो रही रचनात्मक समझ

धनखड़ ने शिक्षा को फैक्ट्री की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा, हमें इस असेंबली-लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए अत्यंत खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के विपरीत हैं। यह उसके विकास और प्रगति में बाधाएं उत्पन्न करते हैं। उन्होंने कोचिंग सेंटरों द्वारा विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना करते हुए कहा, 'अखबारों में विज्ञापनों और होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन छात्रों से आता है जो या तो कर्ज लेकर या बड़ी कठिनाई से अपनी पढ़ाई का खर्च उठाते हैं। यह धन का उपयुक्त उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन भले ही आकर्षक लगें, पर हमारी सभ्यतागत आत्मा के लिए आंखों में धूल झौंकने वाले हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, हम आज रट्टा मारने की संस्कृति के संकट से जूझ रहे हैं, जिसने जीवंत मस्तिष्कों को केवल अस्थायी जानकारी के यंत्रवत भंडारों में बदल दिया है। इसमें न तो कोई आत्मसात की भावना है और न कोई समझ। यह रचनात्मक विचारकों की बजाय बौद्धिक 'जॉम्बी' तैयार कर रहा है। रट्टा ज्ञान नहीं देता, केवल स्मृति देता है।

दैनिक
टेलस्टार

blthakursaharajwr2018@gmail.com

टेलस्टार TELSTAR
हमेशा सच के साथ
भंवरलाल ठाकुर
प्रधान सम्पादक – 8107249990

झालावाड़, कोटा, बून्दी, सवाईमाधोपुर, राजसमंद, उदयपुर, जयपुर, अजमेर, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, दिल्ली, रतलाम एवं उज्जैन में एक साथ प्रसारित

वर्ष 2 अंक नं. 264 | झालावाड़ 13 जुलाई, 2024 | रविवार | मूल्य : 2 रूपया (सालाना 720 रूपये)

कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रवाह के विरुद्ध हैं – उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति एवं राज्यपाल ने भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, कोटा के चौथे दीक्षांत समारोह को किया संबोधित कहा अब संप्रभुता पर हमला सेनाओं से नहीं, विदेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भरता से होगा।, तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा है।, कोचिंग संस्थान अपने बुनियादी ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में रूपांतरण के लिए करें।

(टेलस्टार/विक्रमसिंह चौहान)

कोटा 12 जुलाई। भारत के उपराष्ट्रपति, श्री जगदीप धनकड़ ने आज कहा, "कोचिंग सेंटर अब 'पोचिंग सेंटर' बन चुके हैं। ये सुदृढ सांचों में प्रतिभा को जकड़ने वाले काले छिद बन गए हैं। कोचिंग सेंटर अनियंत्रित रूप से फैल रहे हैं, जो हमारे युवाओं के लिए, जो कि हमारे भविष्य हैं–एक गंभीर संकट बनता जा रहा है। हमें इस चिंताजनक बुराई से निपटना ही होगा। हम अपनी शिक्षा को इस तरह कलंकित और दूपित नहीं होने दे सकते।"

धनकड़ ने आगे कहा, "अब देश किसी सैन्य आक्रमण से नहीं, बल्कि विदेशी डिजिटल बुनियादी ढांचे पर निर्भरता से कमजोर और पराधीन होंगे। सेनाएं अब एल्गोरिद्म में बदल गई हैं। संप्रभुता की रक्षा का संघर्प अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा।" उपराष्ट्रपति ने तकनीकी नेतृत्व को नई राष्ट्रभक्ति का आधार बताते हुए कहा, "हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं– एक नए राष्ट्रवाद के युग में। तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा है। हमें तकनीकी नेतृत्व में वैश्विक अगुवा बनना होगा।" धनकड़ ने रक्षा जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात–निर्भरता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, "यदि हम रक्षा के क्षेत्र में बाहर से तकनीकी उपकरण प्राप्त करते हैं, तो वह देश हमें टहराव की स्थिति में ला सकता है।"

डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, "21वीं सदी का युद्धक्षेत्र अब भूमि या समुद नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं।" भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कोटा, राजस्थान के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए श्री धनखड़ ने कहा, "हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? हमारे संविधान की 22 दृश्य–प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञानदान में विश्वास रखते आए हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए। मैं नागरिक समाज और जनप्रतिनिधियों से आग्रह करता हूं कि इस समस्या की गंभीरता को समझें और शिक्षा में पुनर्संयम ने हेतु एकजुट हों। हमें कौशल आधारित कोचिंग की आवश्यकता है। धनखड़ ने अंकों की होड़ के दुष्परिणामों पर चेताते हुए कहा, "पूर्णांक और मानकीकरण के प्रति जुनून ने जिज्ञासा को खत्म कर दिया है, जो कि मानव बुद्धिमत्ता का एक स्वाभाविक अंग है। सीटें सीमित हैं लेकिन कोचिंग सेंटर हर जगह फैले हुए हैं। वे वर्पों तक छात्रों के मन को एक ही ढर्रे में ढालते हैं, जिससे उनकी सोचने की शक्ति अवरुद्ध हो जाती है। इससे कई मनोवैज्ञानिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।"

छात्रों को अंकों से ऊपर सोचने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा, "आपकी मार्कशीट और अंक आपको परिभापित नहीं करेंगे। प्रतिस्पर्धी दुनिया में प्रवेश करते समय, आपका ज्ञान और सोचने की क्षमता ही आपको परिभापित करेगी।

डिजिटल क्षेत्र की चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, "एक स्मार्ट ऐप जो ग्रामीण भारत में काम नहीं करता, वह पर्याप्त स्मार्ट नहीं है। एक एआई मॉडल जो क्षेत्रीय भापाओं को नहीं समझता, वह अधूरा है। एक डिजिटल उपकरण जो दिव्यांगों को शामिल नहीं करता, वह अन्यायपूर्ण है।" युवाओं से स्थानीय समाधान को वैश्विक स्तर तक ले जाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, "भारत के युवाओं को टेक्नोलॉजी की दुनिया के सजग संरक्षक बनना चाहिए। हमें भारत के लिए भारतीय प्रणालियां बनानी होंगी और उन्हें वैश्विक बनाना होगा।"

डिजिटल आत्मनिर्भरता में भारत को अग्रणी बनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, "हमें अपनी डिजिटल नियति के निर्माता बनना होगा और अन्य देशों की नियति को भी प्रभावित करना होगा। हमारे कोडर, डेटा वैज्ञानिक, ब्लॉकचेन इनोवेटर और एआई इंजीनियर आज के राष्ट्र निर्माता हैं। भारत, जो कभी वैश्विक अग्रणी था, अब केवल उधार की तकनीक का उपयोगकर्ता बनकर नहीं रह सकता। पहले हमें तकनीक के लिए वर्पों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। अब यह समय सप्ताहों में सिमट गया है। हमें तकनीक का निर्यातक बनना चाहिए।"

श्री धनखड़ ने शिक्षा को फैक्टरी की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा, "हमें इस असेंबली–लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए अत्यंत खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के विपरीत है। यह विकास और प्रगति में बाधाएं उत्पन्न करता है।"

उन्होंने कोचिंग सेंटरों द्वारा विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना करते हुए कहा, "अखबारों में विज्ञापनों और होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन छात्रों से आता है जो या तो कर्ज लेकर या बड़ी कठिनाई से अपनी पढ़ाई का खर्च उठाते हैं। यह धन का उपयुक्त उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन भले ही आकर्पक लगें, पर हमारी सभ्यतागत आत्मा के लिए आँखों की किरकिरी बन गए हैं।"

अपने उद्बोधन का समापन करते हुए उपराष्ट्रपति ने रटंत शिक्षा की संस्कृति की तीव्र आलोचना की "हम आज रट्टा मारने की संस्कृति के संकट से जूझ रहे हैं, जिसने जीवंत मस्तिप्कों को केवल अस्थाई जानकारी के यंत्रवत भंडारों में बदल दिया है। इसमें न तो कोई आत्मसात है, न कोई समझ। यह रचनात्मक विचारकों की बजाय बौद्धिक 'ज़ॉम्बी' तैयार कर रहा है। रट्टा ज्ञान नहीं देता, केवल स्मृति देता है। यह डिग्रियों को गहराई के बिना जोड़ता है।"

महात्मा बुद्ध के विचारों से युवाओं को किया प्रेरित – ''अप्प दीपो भवः''

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, कोटा के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि जीवन की एक नई शुरुआत है। यह वह पड़ाव है जहां से युवा अपने ज्ञान, विचार और दृप्टिकोण से समाज और देश के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारत ने विश्व को ऐसे कई इंजीनियर दिए हैं जिन्होंने वैश्विक मंच पर देश का नाम रोशन किया है। कोटा को उन्होंने 'औद्योगिक और शैक्षिक नगरी' की उपाधि देते हुए कहा कि यह शहर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिप्ट पहचान रखता है।

अपने उद्बोधन में उन्होंने महात्मा बुद्ध के प्रसिद्ध वाक्य श्अप्प दीपो भवःश अपना दीपक स्वयं बनो को उद्धृत करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को चाहिए कि वह अपने भीतर प्रकाश उत्पन्न करे और अपनी मेधा से न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व को आलोकित करें। उन्होंने भारत रत्न डॉ. ए. पी.जे. अब्दुल कलाम, श्री एम. विश्वेश्वरैया, सुंदर पिचाई, सत्य नडेला तथा वर्गीस कुरियन जैसे महान व्यक्तित्वों का उदाहरण देते हुए बताया कि इन विभूतियों ने न केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपितु सामाजिक उत्थान में भी अद्वितीय योगदान दिया है। राज्यपाल ने डॉ. कलाम के नाम का विशेप उल्लेख करते हुए कहा कि उनके नाम में 'अवुल पकिर जैनुल आब्दीन अब्दुल कलाम' उनके गांव, उनके पिता और भारतीय संस्कृति के मूल्यों का प्रतीक है जो यह दर्शाता है कि हमारी जड़े हमारी पहचान होती हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नौकरी की तलाश करने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजक बनें। उन्होंने कहा कि आज भारत सरकार युवाओं की हैंड होल्डिंग के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समर्थन प्रदान कर रही है। यह समय अपनी बौद्धिक क्षमता के विकास का है। राज्यपाल बागड़े ने 'श्वेत क्रांति' के जनक वर्गीस कुरियन का उल्लेख करते हुए कहा कि वे अपने कार्य में इतने समर्पित थे कि उनकी पहचान स्वयं उनका कार्य बन गया। यही उदाहरण आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविप्य के लिए शुभकामनाएं दीं और कहाकि शिक्षा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम है। समारोह में कुल 189 डिग्रियां प्रदान की गई। जिनमें से कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग (सीएसई) में 123 बीटेक डिग्री, इलेक्ट्रोनिक्स और कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) में 62 बी टेक डिग्री व आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा इंजीनियरिंग में विशेपज्ञता के साथ सीएसई में 4 एम टेक डिग्री प्रदान की गई। वहीं शैक्षणिक उत्कृप्टता के लिए अंकुर अग्रवाल (सीएसई) व ध्रुव गुप्ता (ईसीई) को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) ए.के. भट्ट, निदेशक प्रो. एन.पी. पाढी, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, लाडपुरा विधायक श्रीमती कल्पना देवी, जिला कलक्टर पीयूप समारिया, पुलिस अधीक्षक शहर डॉ. अमृता दुहन, आईएएस प्रशिक्षु आराधना चौहान सहित संस्थान की फैकल्टी, छात्र–छात्राएं एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

Times of India 13-07-2025

V-P: Coaching centres have become 'poaching centres', pose threat to edu system

Rajiv Saxena & Shoeb Khan | TNN

Kota/Jaipur: Raising a red flag on India's booming private coaching industry, vice-president Jagdeep Dhankhar Saturday said coaching centres had turned into "poaching centres" and black holes for talent, causing serious damage to the country's education ecosystem and the psychological wellbeing of its youth.

Addressing the fourth convocation of IIIT-Kota, the vice-president warned that the cramming culture encouraged by these institutions was undermining curiosity, creativity and critical thinking — the very foundations of education.

"Coaching centres have become black holes for talent in regimented silos. They prepare students like robots for years and block their thinking. This obsession with grades and standardised scores is stifling curiosity, a vital part of human intelligence," Dhankhar said.

He added that this approach has led to rising psychological distress among students, and called for an urgent shift in priorities.

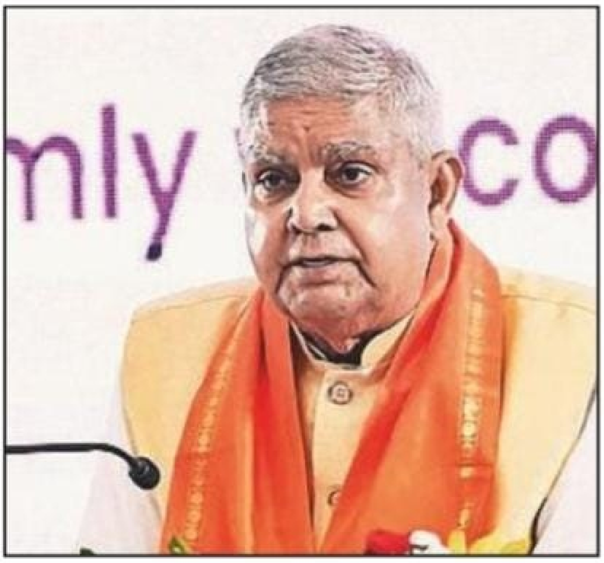

TOI

Vice-president Jagdeep Dhankhar speaks during fourth convocation of IIIT-Kota Saturday

▶Continued on P 4

Times of India 13-07-2025

We must end assembly-line culture: VP

▶ Continued from P 1

Kota/Jaipur: Criticising the parallel education system promoted by private coaching, Dhankhar said it runs contrary to the National Education Policy (NEP)-2020, which seeks to move education away from rote learning and towards holistic, skill-based and inclusive development. "We must end this assembly-line culture. It is dangerous for our education. Coaching centres are working against the flow of NEP and creating unnecessary roadblocks to growth," he said.

The VP urged coaching institutes to transform into skill development centres, and asked civil society and lawmakers to recognise the urgency of this educational crisis. He also questioned the ethics of heavy advertisement spending by coaching institutes. "These billboards and full-page newspaper ads are funded by parents, who either take loans or spend their hard-earned savings, hoping for a better future for their children. This is not an optimal use of resources," he said, calling such advertising practices misleading and insensitive to India's civilisational values.

Dhankhar's remarks were widely seen as a direct indictment of the Kota coaching industry that is estimated to be worth over Rs 7,000 crore.